राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 वर्ल्ड कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी - विराट | सम्पादकीय | ब्रिक्स सम्मेलन से आतंकवाद को लेकर.... | घरेलू वेज थाली जून में 8 प्रतिशत सस्ती हुई 5

वर्ष 23 ● अंक 73 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, बुधवार 09 जुलाई 2025 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कारणों का अतिशीघ्र हो सकता है खुलासा, जाँच रिपोर्ट सौंपी

आर.एन.एस

नई दिल्ली। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने मंगलवार को अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुई एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 की दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट नागरिक उड्डयन मंत्रालय और संबंधित अधिकारियों को सौंप दी। हिंदुस्तान टाइम्स ने इस बात को रिपोर्ट किया है। यह दुर्घटना, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई, भारत में पिछले तीन दशकों की सबसे घातक विमान दुर्घटना थी।

लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने वाली बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर उड़ान के 32 सेकंड बाद ही अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 2 किलोमीटर दूर बी.जे. मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के हॉस्टल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक व्यक्ति, 40 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक विश्वास रमेश, जीवित बचे। दुर्घटना में 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के अलावा, जमीन पर 19 लोगों की भी मौत हो गई।

प्रारंभिक रिपोर्ट, जो चार से पांच पेज की होने की संभावना है, में विमान, चालक दल, अहमदाबाद हवाई अड्डे की स्थिति, और 12 जून को मौसम के विवरण शामिल हैं। इसमें दुर्घटना के संभावित कारणों, जैसे इंजन की खराबी, ईंधन आपूर्ति की समस्या, या दोनों इंजनों के बंद होने की जानकारी दी गई है। ब्लैक बॉक्स से प्राप्त कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर का विश्लेषण भी किया जा रहा है, जिसमें पायलटों ने टेकऑफ के तुरंत बाद मे-डे आपातकालीन कॉल जारी की थी, जिसमें कहा गया था, नो थ्रस्ट, मे-डे, मे-डे।

बाबा महाकाल की नगरी में शीघ्र प्रारंभ होगा आकाशवाणी केंद्र : मुख्यमंत्री

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. मुरूगन से की भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ किए जाने की सैद्धांतिक सहमति हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल मुरूगन से भेंट में सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन में शीघ्र आकाशवाणी केंद्र प्रारंभ करवाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. मुरूगन ने इसकी सहमति एवं आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ करवाने के लिए आश्वस्त किया। आकाशवाणी स्टूडियो का निर्माण होने तक उज्जैन केंद्र के प्रसारण की व्यवस्था आकाशवाणी केन्द्र इंदौर के माध्यम से किए जाने के प्रयास भी किए जाएंगे।

रायसेन में अत्याधुनिक रेल कोच संयंत्र

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को शिलान्यास के लिए किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में मंत्रीगण से भेंट के बाद मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि भारत सरकार के उपक्रम बंगलौर के बीईएमएल लिमिटेड के अत्याधुनिक रेल कोच विनिर्माण संयंत्र का शिलान्यास प्रदेश के रायसेन जिले में शीघ्र किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1800 करोड़ रूपए का निवेश किया जा रहा है। संयंत्र में मध्यप्रदेश सरकार, रेल मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की भागीदारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से इस संयंत्र के शिलान्यास का अनुरोध किया गया है। साथ ही संयंत्र के महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश शासन ने रायसेन जिले में इस संयंत्र की स्थापना के लिए लगभग 60 हेक्टयर भूमि का आवंटन कर दिया है। यह संयंत्र लगभग डेढ़ हजार लोगों को रोजगार दिलवाने में भी सहायक होगा साथ ही देश के रेल कोच संयंत्रों के मानचित्र में विशेष स्थान बनाएगा।

केन्द्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री से की भेंट नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नई पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा काम किया जा रहा है। सभी प्रकार की नवकरणीय ऊर्जा जैसे सौर, पवन और पंप स्टोरेज सभी पर काम कर रहे हैं। पूरे देश में मध्यप्रदेश ही ऐसा राज्य है जो सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध करवा रहा है, जिससे नई दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के 32 लाख किसानों के लिए सोलर पैनल लगाकर देंगे जिससे भविष्य में किसान स्वयं की बिजली उत्पन्न कर सकें। इससे लगभग 18 हजार करोड़ की सब्सिडी के भार से राज्य सरकार मुक्त हो सकेगी। प्रधानमंत्री कुसुमश्री योजना में ए-बी-सी- तीनों श्रेणियों में मध्यप्रदेश सरकार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी से चर्चा हुई और उम्मीद है कि नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में और अच्छी प्रगति होने वाली है। भविष्य में स्थापित होने वाले सोलर पार्क, जो लगभग 4200 मेगावाट क्षमता के होंगे, नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि बनेंगे। इसके अलावा उत्तरप्रदेश के साथ 2 हजार मेगावाट से सोलर एनर्जी के स्रोत विकसित होंगे जिससे दोनों राज्य 6-6 महीने आपस में बिजली का बंटवारा भी करेंगे।

प्रदेश सरकार मछुआरों के हित में अनेक योजनायें चला रही है: डॉ. मोहन यादव

निगरानी के लिये हाईटेक ड्रोन और जीपीएस प्रणाली

ट्रांजिट हाउस, फ़्लोटिंग प्लेटफ़ॉर्म और अत्याधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान बनेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मछुआरों की सुरक्षा और समृद्धि सरकार की प्राथमिकता है। उनकी सुरक्षा की दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कंट्रोल कमांड सेंटर और ट्रांजिट हाउस जैसी पहल की जा रही हैं। राज्य के बड़े जलाशयों में मछुआरों की सुरक्षा और मत्स्य बीज संचयन की निगरानी के लिये आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे बड़े जलाशयों में शामिल इंदिरा सागर में ड्रोन, जीपीएस और सीसीटीवी युक्त आधुनिक कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है। आपात स्थिति में इस प्रणाली से मछुआरों को शीघ्र सहायता पहुंचाई जा सकेगी। ये पहल ब्रीडिंग ग्राउंड के चिन्हांकन के साथ मत्स्य आखेट पर निगरानी को और ज़्यादा आसान, सुलभ और प्रभावशाली बनाएगी। कमांड कंट्रोल रूम की मदद से मुख्यालय स्तर से ही 24ङ्ग7 निगरानी संभव हो सकेगी। ड्रोन के माध्यम से जल क्षेत्र की लाइव मॉनिटरिंग और जीपीएस सिस्टम से नावों की ट्रैकिंग की जा सकेगी और आपात स्थिति में मछुआरों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

मछुआरों के लिए बनेंगे ट्रांजिट हाउस और फ़्लोटिंग प्लेटफ़ॉर्म

मत्स्य महासंघ के जलाशयों में कार्यरत मछुआरों को कई बार 15 दिन से लेकर एक महीने तक खुले टापुओं या जलाशय के किनारों पर अपनी नावों में रात्रि विश्राम करना पड़ता है। वर्षा ऋतु में टापुओं का जलस्तर बढ़ जाता है, ऐसे में मछुआरों को जलीय जीव-जंतुओं से जान-माल की हानि की आशंका बनी रहती है। मछुआरों को इससे बचाने के लिए महासंघ ने गांधी सागर और इंदिरा सागर के टापुओं पर 5 ट्रांजिट हाउस और जल के मध्य 2 फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म बनाने का प्रस्ताव तैयार किया है। मछुआरों के लिए इसमें आपातकालीन स्थिति में भोजन निर्माण, सोलर मोबाइल चार्जिंग और बायो टॉयलेट जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

राज्य सरकार की यह पहल मछुआरों की सुरक्षा और सुविधा को बेहतर बनाएगी, साथ ही जल आधारित संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन और मत्स्य उत्पादन की वृद्धि में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आधुनिक तकनीक के समावेश से अब राज्य में मत्स्याखेट और मछलीपालन नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर हैं।

भोपाल में बनेगा आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान

राज्य में मॉडर्न एक्वाकल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अहम पहल की जा रही है। केन्द्र सरकार की फिशरीज इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट फंड योजना के तहत भोपाल में 5 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जा रही है। इस संस्थान में केज कल्चर, बायोफ्लॉक, रिसर्कुलेटरी एक्वा कल्चर सिस्टम, मछलियों की हाइजेनिक हैंडलिंग, फिश प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और वैल्यूएडिशन जैसे विषयों पर मछुआ समुदाय को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। मछुआरों को इससे वैश्विक मानकों के अनुरूप मछली पालन तकनीक की जानकारी और व्यावसायिक दक्षता प्राप्त होगी।

केरल हाईकोर्ट से लाइबेरियाई जहाज की जब्ती का आदेश, कहा- मुआवजा मिलने पर ही छोड़ें

आर.एन.एस

नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को लाइबेरियाई जहाज स्र्ष्ट अकीकेता 2 को जब्त करने का आदेश दिया। यह शिप लाइबेरियाई जहाज स्र्ष्ट एल्सा 3 का सहयोगी था, जो 25 मई को कोच्चि के तट पर डूब गया था। दोनों जहाज स्र्ष्ट मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के हैं।

स्र्ष्ट एल्सा 3 डूबने से हुए पर्यावरणीय और आर्थिक नुकसान पर केरल सरकार ने 9531 करोड़ रुपए के मुआवजे की याचिका लगाई थी। साथ ही सहयोगी जहाज (स्र्ष्ट अकीकेता 2) के भारत से बाहर जाने की आशंका जताते हुए जहाज जब्त करने की मांग की थी।

इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि शिपिंग कंपनी जब तक मुआवजे की रकम जमा नहीं कर देती तब तक स्र्ष्ट अकीकेता 2 को जब्त रखा जाए। मामला सुलझने तक जहाज भारत से बाहर नहीं जा सकेगा।

केरल सरकार के मुताबिक जहाज डूबने के बाद निकले जहरीले पदार्थों की वजह से डॉल्फिन और व्हेल समेत कई समुद्री जीवों की मौत हुई। इस पर सरकार ने एडमिरल्टी (समुद्री दावों का अधिकार क्षेत्र और निपटान) एक्ट की धारा 4 के तहत मुआवजे की मांग की।

इसमें पॉल्यूशन के लिए ?8626 करोड़, पर्यावरण के लिए ?378.48 करोड़ और मछुआरों को हुए ?526.51 करोड़ का नुकसान शामिल है। ब्याज समेत मुआवजे की पूरी राशि ?9,531.11 करोड़ है।

कोर्ट ने अडानी विझिनजाम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को जहाज जब्त करने और उसकी सुरक्षा के निर्देश दिए। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह आदेश माल की लोडिंग या अनलोडिंग में दखल नहीं करेगा। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।

जालंधर में सतलज किनारे फ्लड प्रोटेक्शन एक्सरसाइज

आर.एन.एस

नई दिल्ली। जालंधर के फिल्लौर-लुधियाना रोड पर सतलुज दरिया के किनारे बसे गांव तलवंडी कलां में आज एक बड़ी बाढ़ सुरक्षा (फ्लड प्रोटेक्शन) एक्सरसाइज का आयोजन किया गया।

इस अभ्यास का नेतृत्व डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने किया। इस दौरान सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पंजाब पुलिस, सिविल डिफेंस, होमगार्ड और जिला प्रशासन के अन्य विभागों की टीमें भी शामिल रहीं।

अभ्यास का मकसद बाढ़ जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों को परखना और आपसी तालमेल को मजबूत करना था।

डीसी बोले- प्रशासन हर तरह से तैयार

इस मौके पर एसडीएम लाल विश्वास बैंस और फौज व जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। एक्सरसाइज के दौरान बाढ़ की स्थिति में राहत व बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लिया गया और आपसी समन्वय पर जोर दिया गया।

डीसी हिमांशु अग्रवाल ने कहा- सतलुज दरिया के आसपास के इलाकों को सुरक्षित रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों के बीच तालमेल जरूरी है।

पंजाब और आसपास के राज्यों में हो रही भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले 2-3 दिनों तक कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। खासतौर पर जालंधर, लुधियाना, होशियारपुर और अमृतसर में बादल छाए रहेंगे और तेज़ हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

भारत शामिल नहीं, ट्रम्प ने 14 देशों पर टैरिफ लगाया

जापान-साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत, म्यांमार पर 40 प्रतिशत टैरिफ, 1 अगस्त से लागू होगा

आर.एन.एस

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी।

इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25त्न टैक्स लगाया गया है, जबकि कुछ पर 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया गया है। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वाले थे।

ट्रम्प ने अप्रैल में पहली बार सभी अमेरिकी आयात पर 10त्न बेसलाइन टैक्स और 60 देशों पर अलग-अलग टैक्स लगाने की बात की थी। उस घोषणा के बाद दुनियाभर के शेयर और बॉन्ड बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, इसलिए उन्होंने टैरिफ को कुछ समय के लिए टाल दिया था और देशों को अमेरिका के साथ नई डील करने का मौका दिया था।

पहले उन्हें 8 जुलाई तक का वक्त दिया गया था, ताकि 9 जुलाई से नए टैरिफ लागू हो सकें। अब ये डेडलाइन बढ़ाकर 1 अगस्त कर दी गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि ट्रम्प इस हफ्ते कई देशों के साथ ट्रेड डील का ऐलान कर सकते हैं। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील बहुत करीब पहुंच चुकी है।

यूरोपीय यूनियन भी अमेरिका के साथ समझौता करने के काफी नजदीक है। इसके साथ ही पाकिस्तान, ताइवान और स्विटजरलैंड जैसे दूसरे देश में अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने का रास्ता तलाश रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रदेश अध्यक्ष ने नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से सौजन्य भेंट की

गुरु शिष्य परम्परा का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता: डीजीपी कैलाश मकवाना

डीजीपी श्री मकवाना अपने गुरु श्री तिवारी के यहां मुलाकात करने पहुंचे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

उज्जैन। मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाना ने पिछले दिनों उज्जैन प्रवास के दौरान तमाम सरकारी तामझाम छोड़ अपने स्कूल के समय के गुरु रहे श्री तिवारी सर के घर पहुंच सादर भेंट की। डीजीपी एवं पुराने शिष्य कैलाश को देख खुशी में तिवारी सर ने भी उन्हें गले लगाया और खूब दुलारा। उल्लेखनीय है कि उज्जैन नगरी का संदीपनी आश्रम गुरु शिष्य की एक प्राचीन और पवित्र परम्परा का केन्द्र रहा है, जिसमें गुरु और शिष्य के बीच के संबंधों को बहुत महत्व दिया जाता है। इस परम्परा में, गुरु अपने शिष्यों को ज्ञान, कौशल और जीवन के मूल्यों की शिक्षा देते हैं। वहीं शिष्य गुरु की शिक्षा को ग्रहण कर जीवन में अपनाते रहे हैं।

यहां यह भी बता दें कि संदीपनी आश्रम में, भगवान कृष्ण ने अपने गुरु संदीपनी ऋषि से शिक्षा प्राप्त की थी। इस आश्रम में कृष्ण ने वेदों, शस्त्रों और अन्य विषयों की शिक्षा प्राप्त की। अवंतिका नगरी में पले बढ़े मप्र के डीजीपी कैलाश मकवाणा पिछले दिनों अपने उज्जैन प्रवास के दौरान अपने तमाम सरकारी तामझाम छोड़ कभी अपने स्कूल के गुरु रहे श्री तिवारी सर के घर अचानक पहुंच भेंट की। तिवारी सर अपने पुराने शिष्य वर्तमान डीजीपी को देख खुशी में समा गए। उन्होंने डीजीपी शिष्य कैलाश को इस मौके पर खूब दुलारा। तिवारी सर ने कभी डीजीपी साहब को LOTI स्कूल में फिजिक्स पढ़ाई थी। अवंतिका नगरी से ग्रहण उच्च संस्कारों से लवरेज डीजीपी साहब ने एक बार फिर प्रमाणित किया कि रिश्ता ओहदे से बड़ा होता है। उल्लेखनीय है कि आज भी, गुरु शिष्य परम्परा का महत्व बना हुआ है। यह परम्परा हमें ज्ञान, कौशल और जीवन के मूल्यों की महत्ता की समझ दिलाती है।

प्राईवेट स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग हो : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बिन्दुओं पर टास्क फोर्स की बैठक में हुई चर्चा

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल से संबद्ध प्राईवेट स्कूलों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिये विश्वसनीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप आधुनिक कृषि के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में छात्रों को कृषि संकाय को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। उन स्कूलों में, जिनके पास दो एकड़ से अधिक भूमि है, वहां प्राथमिकता के साथ कृषि संकाय शुरू किये जा सकते है। स्कूल शिक्षा मंत्री मंगलवार को मंत्रालय में नई शिक्षा नीति 2020 की टास्क फोर्स समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों की आकस्मिक मृत्यु पर परिजन को नौकरी देने की व्यवस्था में सुधार के लिए उपयुक्त सुझाव देने के लिए कहा।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को पढ़ाई की तैयारी करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्यकता है। यह काम पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अलीराजपुर, बालाघाट, नरसिंहपुर और उज्जैन जिले में शुरू किये जाएं। प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं के पढ़ाने से बच्चे सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा के पूर्व कक्षाओं में पढ़ाई के लिये तैयार होकर जाएंगे। उन्होंने राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केन्द्र (एससीईआरटी) को मजबूत किये जाने के लिए संचालक की अध्यक्षता में कमेटी गठन करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के मूल्यांकन के लिए शिक्षाविदो के साथ आगामी 29 जुलाई को बैठक भी की जाए। इसी दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में नई शिक्षा 2020 की घोषणा की थी। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालयों में त्रिभाषा फॉरमूला को सख्ती लागू करने के निर्देश दिये।

बैठक में ई-अटेंडेंस, ÷हमारे %शिक्षक,÷ डिजिटल प्लेटफार्म के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिये ?सबको इसकी परिधि में लाना चाहिए। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि बच्चों को परीक्षा की तैयारी के लिए स्कूल में रेमेडियल मॉड्यूल भेजे गए थे। आयुक्त ने बताया कि इस शैक्षणिक सत्र में सरकारी स्कूलों में लगभग शत प्रतिशत पाठ्य पुस्तकें पहुँचा दी गई थीं। टास्क फोर्स के सदस्यों ने स्कूलों और पालकों को मातृभाषा के महत्व को समझाने, पालकों की नियमित बैठक, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में टास्क फोर्स समिति के सदस्यों में प्रमुख रूप से श्री अशोक कडेल, डॉ. राम भावसार एवं अन्य सदस्यगण मौजूद थे।

नागरिकों का विदेश जाने का सपना होगा पूरा : मंत्री सारंग

अरेरा हिल्स पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भवन का लोकार्पण

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नये पासपोर्ट कार्यालय भवन बनने से नागरिकों को सुविधा मिलेगी। वहीं आसान और सरल तरीके से नागरिकों को पासपोर्ट उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई तकनीकियों के साथ पारदर्शिता पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं यह उसी का उदाहरण है। मंत्री श्री सारंग अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कार्यालय भवन में पूरी क्षमता के साथ हर एक टेक्नॉलॉजी को आत्मसात किया है। मध्यप्रदेश और देश के हर एक नागरिक को इस कार्यालय की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कार्यालय भवन की अवधारणा को सराहा। भवन में हर सुविधा का ध्यान रखते हुए निर्माण किया गया है, जो लोगों को कम समय में अधिक लाभ प्रदान करेंगी।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं जिससे आसानी से समय पर लोगों को लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सुगम और सुलभ लाभ देने के लिये कर्मचारियों में विनम्रता भी आवश्यक है।

मुख्य पासपोर्ट अधिकारी डॉ. के.जे. श्रीनिवास ने बताया है कि हर संसदीय क्षेत्र तक पासपोर्ट सेवाएं पहुंचाने के लिये विदेश मंत्रालय प्रतिबद्ध है। भारत में 450 पासपोर्ट सेवा केन्द्र स्थापित हो चुके हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में मध्यप्रदेश में शहडोल, मंदसौर, खंडवा, गुना, खरगोन एवं भिण्ड जिले में पासपोर्ट सुविधा केन्द्र खोले गये है। जल्द ही मंडला में भी सुविधा केन्द्र खोला जायेगा।

शुरूआत में अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर और फीता काटकर नये भवन का लोकार्पण किया। कार्यालय भवन में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण के बाद आवेदको की सुविधाओं के दृष्टिगत प्रकाशित कॉमिक बुक %क्षितिज% का विमोचन भी किया। श्रेष्ठ कार्य करने वालो का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान भी किया। नये पासपोर्ट कार्यालय भवन में आधुनिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। यहां शिशु पालक कक्ष, आवेदकों, कर्मचारियों के लिये पुस्तकालय, छोटे बच्चो के लिये स्ट्राॅलर, दिव्यांगों के लिये व्हीलचेयर, कर्मचारी कल्याण कक्ष, कैफेटेरिया आदि की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

कार्यक्रम में मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री विनीत माथुर, पुलिस महानिरीक्षक श्री अंशुमन सिंह, सीपीडब्ल्यूडी के श्री जे. आर. मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी और टीसीएस कर्मी उपस्थित थे।

समय सीमा में पूरा करें निर्माणाधीन और स्वीकृत मार्ग:राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि सड़कों के निर्माण को तय समय सीमा में पूरा करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर मंगलवार को मंत्रालय में गोविंदपुरा क्षेत्र के सड़कों के निर्माण प्रगति की समीक्षा कर रही थी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की नये बन रही सड़कों के निर्माण के साथ ही बिजली पोल लगाने का कार्य भी करें, क्योंकि सड़क तो बन जाती है, लेकिन मार्ग पर अंधेरा रहने से जनता को परेशानी होती है। अधिकारियों ने बताया कि जे के रोड का निर्माण कार्य जल्दी पूरा हो जाएगा। सेंट्रल ब्रिज व रेलिंग का कार्य 31 जुलाई तक पूरा हो जाएगा। जेके रोड पर चल रहे निर्माण कार्य में कवर्ड नाली में बड़े-बड़े पत्थर पड़े होने पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नाराजगी व्यक्ति की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नाली सफाई और सड़क पर से मिट्टी और मलवा को हटाने के निर्देश दिए। बिजली के पोल का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने शटडाउन का टाइम बढ़ाकर कार्य को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। आनंद नगर फ्लाईओवर के कार्य में देरी पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर का कार्य अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। नाली बन चुकी है, दो स्लैब डल चुके है, चार बाकी हैं।

आकाशीय बिजली से संभावित दुर्घटनाओं से स्वयं को बचायें

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल। आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आम-जन इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है और यह मानसून के पहले जून-जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन और ट्रैक्टर जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें। धातु युक्त वाहनों से विद्युत प्रवाह संभावित होने के कारण तुरंत सुरक्षित स्थलों की ओर जाएं। सड़क पर होने पर तुरंत किसी भवन के अंदर शरण लें। आकाशीय बिजली के गर्जन सुनाई देने के बाद कम से कम 30 मिनट तक सुरक्षित स्थान पर बने रहें।

घर और कार्यस्थल पर सुरक्षात्मक उपाय अपनाये बिजली एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के संपर्क से दूरी बनाए रखें। इन्हें पावर प्लग से पृथक करें। बिजली का प्रवाह किसी भी दीवार, फर्श, इलेक्ट्रिकल सिस्टम, रेडियो और टेलीविजन रिसेप्शन सिस्टम तारों के माध्यम से हो सकता है। घर, कार्यालय में अर्थिंग सुनिश्चित करें। खुले हुए खिड़की, दरवाजे, धातु के पाइप इत्यादि के पास खड़े नहीं रहें। पानी के धातु पाइप से बिजली प्रवाहित हो सकती है। प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के लिए विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश भी दिये गये हैं। विभाग द्वारा चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। पर्याप्त संख्या में औषधियाँ, सामग्री और पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी शासकीय चिकित्सालयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ताओं, ए.एन.एम./सी.एच.ओ. के पास जीवन रक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। बहु-उद्देशीय कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों को स्थानीय स्तर पर आपात सेवा स्थापित करने के लिए तैयार रखा जाये। शासकीय अमले की सहायता के लिये स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों व पैरामेडिकल स्टॉफ को चिन्हित कर आपात स्थिति में उनकी सेवाएं प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद भोपाल के पालिका भवन स्थित संचालनालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। इस मौके पर निर्वतमान अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव की ली जानकारी

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर 11 जुलाई को होने वाले एमपी ग्रोथ कॉन्क्लेव की तैयारियों की जानकारी ली। प्रदेश के शहरी क्षेत्र के विकास में यह कॉन्क्लेव बहुत महत्वपूर्ण है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्देश दिए कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग से संबंधित कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। योजनाओं में प्रगति लाने के लिये प्रत्येक सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये। बैठक में विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

शासकीय शालाओं में होगा शैक्षिक ओलंपियाड

विद्यार्थी कर सकेंगे 30 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन

भोपाल। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों को प्रदेश, देश और विश्व के सांस्कृतिक, भौगोलिक ऐतिहासिक परिदृश्य, समसामयिक सामान्य ज्ञान तथा हिन्दी, इंग्लिश, विज्ञान और गणित विषयों से जोड़ने के लिये मंच क्विज प्रतियोगिता ओलंपियाड का आयोजन इस वर्ष दो चरणों में जन शिक्षा केन्द्र और जिलास्तर पर किया जा रहा है। इस वर्ष जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय आयोजन सितंबर और जिला स्तरीय आयोजन नवंबर माह में होगा। ओलंपियाड में सहभागिता के लिये विद्यार्थी शिक्षकों के सहयोग से ऑनलाइन पंजीयन ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह्ह पोर्टल पर 30 जुलाई तक कर सकेंगे।

दूसरी कक्षा के बच्चे ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे

इस वर्ष ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से लेकर 8वीं तक प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थी ओएमआर शीट पर प्रश्न हल करेंगे। इस व्यवस्था से बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये प्रारंभिक काल से अनुभव प्राप्त होगा। कक्षा 2 और 3 के लिये इंग्लिश, हिन्दी और गणित, कक्षा 4 और 5 के लिए इंग्लिश, हिन्दी, गणित एवं पर्यावरण विषय पर और कक्षा 6, 7 और 8 के लिए हिन्दी, संस्कृत, इंग्लिश, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषय में ओलंपियाड प्रतियोगिता होगी। ओलंपियाड के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने विस्तृत दिशा-निर्देश जिला शिक्षा केन्द्र और शालाओं को प्रेषित किए है। कक्षा 2 और 3 में प्रत्येक जन शिक्षा केन्द्र से कुल 28 विद्यार्थी जिला स्तर की प्रतियोगिता के लिये चयनित होंगे। कक्षा 6 से 8 में जन शिक्षा केन्द्र स्तर पर सर्वाधिक अंको के आधार पर 36 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये होगा। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक श्री हरजिंदर सिंह ने ओलंपियाड प्रतियोगिता के आयोजन के लिये जिला कलेक्टर्स और राज्य शिक्षा केन्द्र अधिकारियों को भी निर्देश जारी किये है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोनी सब के कलाकारों ने जीवन के अनमोल सबक देने वाले अपने गुरुओं के प्रति दिल से कृतज्ञता व्यक्त की

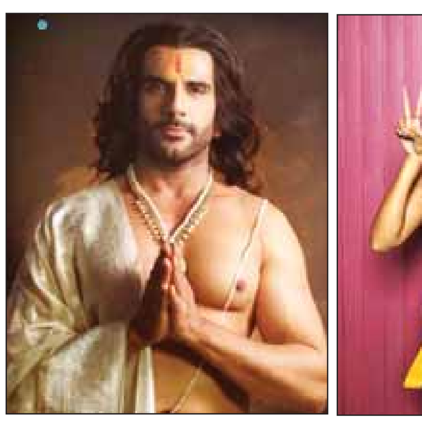

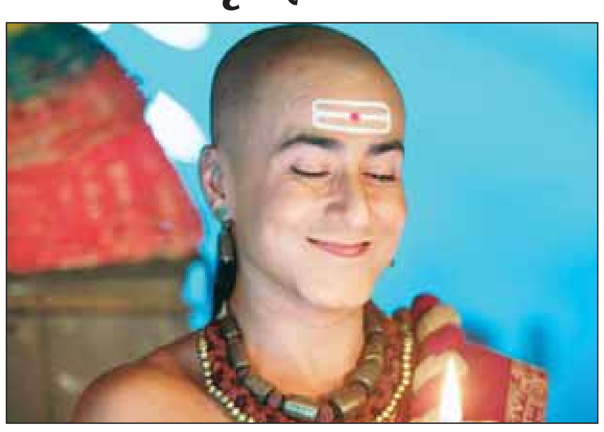

मुंबई। एक ऐसी दुनिया में जहां हर चीज तेज रफ्तार से बदल रही है, वहीं एक गुरु, शिक्षक या मार्गदर्शक की शांत उपस्थिति हमें यह बताती है जो हम आज हैं। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर सोनी सब के कलाकार – सुमित राघवन, आशी सिंह, कृष्णा भारद्वाज और आरव चौधरी – अपने जीवन के गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। ये वे लोग है जिन्होंने इनके आत्मबल को आकार दिया, संघर्षों में संबल दिया और हर बार गिरने के बाद फिर उठना सिखाया। चाहे वो स्कूल के शिक्षक हों, माता-पिता, या सह-कलाकार – सभी कलाकारों ने उन जीवन मूल्यों और सबकों के लिए धन्यवाद जताया जो उन्हें आज तक व्यक्तित्व और पेशेवर रूप से मार्गदर्शित कर रहे हैं। 'वागले की दुनियाः नई पीढ़ी, नए किस्से' में राजेश वागले का किरदार निभा रहे सुमित राघवन ने कहा, 'मेरे लिए 'गुरु' शब्द सुनते ही सबसे पहले मेरे पिताजी का चेहरा सामने आता है। वह मेरे पहले शिक्षक, सबसे बड़े आलोचक और सबसे मजबूत सहारा रहे है। उन्होंने कभी उपदेश नहीं दिए–बल्कि उन मूल्यों को जीकर दिखाया। जीवन को गरिमा, ईमानदारी और नैतिकता के साथ जीते हुए देखना मेरे लिए सबसे बड़ी सीख रही। उनका हमेशा मानना था कि चाहे आप कितनी भी दूर क्यों न चले जाएं, सबसे ज्यादा मायने यह रखता है कि आप कितने ज़मीनी बने रहते हैं और दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। एक अभिनेता के तौर पर, मैंने अक्सर उनके शब्दों से ताकत पाई है- 'अपना सर्वश्रेष्ठ दो, और काम को बोलने दो।' गुरु पूर्णिमा उन लोगों को सम्मानित करने के बारे में है जो हमें आकार देते हैं, और मेरे लिए, यह उन्हीं से शुरू और खत्म होता है। जो कुछ भी आज मैं हूं, एक इंसान और कलाकार के रूप में, वह सब उन्हीं की वजह से है।' 'उफ्फ़... ये लव है मुश्किल' में कैरी का किरदा निभा रहीं आशी सिंह ने कहा, 'मेरे लिए मेरी माँ ही मेरी गुरु हैं। वह मेरी सबसे बड़ी समर्थक भी हैं और सबसे कड़ी आलोचक भी। उन्हीं की वजह से मैं बेखौफ़

सपने देखती हूं और हर स्थिति में आत्मविश्वास से आगे बढ़ती हूं। इस इंडस्ट्री में मुझे कुछ वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है जिन्होंने सिखाया कि सफलता का कोई मूल्य नहीं अगर उसमें विनम्रता न हो। ऐसे ही एक व्यक्ति हैं शब्बीर सर, जिनका उफ्फ़...ये लव है मुश्किल के सेट पर अनुशासन और समर्पण बहुत प्रेरणादायक रहा है। उन्हें काम करते देखना अपने आप में एक सबक है। इस गुरु पूर्णिमा पर मैं उन सभी आत्माओं का धन्यवाद करना चाहती हूं जिन्होंने मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया।' 'वीर हनुमान' में केसरी की भूमिका निभा रहे आरव चौधरी ने कहा, 'मेरे पहले और सबसे अहम गुरु हमेशा मेरे माता-पिता रहे हैं। उन्होंने मुझे अनुशासन, ईमानदारी और जमीन से जुड़े रहने का मूल्य सिखाया–ऐसी बातें जो कोई किताब नहीं सिखा सकती। बचपन से ही मैंने बजरंग बली को अपना आध्यात्मिक गुरु माना है। 7वीं कक्षा से ही मेरे कुछ स्कूल टीचर्स ने मेरी बुनियादी सोच को आकार दिया। जब मैंने जयपुर में थिएटर करना शुरू किया, तो मेरे थिएटर गुरुओं ने मुझे एक अभिनेता के रूप में विकसित होने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। मुंबई आने के बाद, मुझे इंडस्ट्री के अविश्वसनीय लोगों और प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर, निर्माता, निर्देशकों से सीखने का सौभाग्य मिला। उनमें से प्रत्येक ने अपने तरीके से मेरी यात्रा में योगदान दिया है। आज भी, मेरा मानना है कि सीखना कभी बंद नहीं होता। इस गुरु पूर्णिमा पर, मैं अपने सभी गुरुओं को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मुझे जीवन भर मार्गदर्शन और प्रेरणा दी है।''तेनाली रामा' में तेनाली रामा का किरदार निभा रहे कृष्णा भारद्वाज ने कहा, 'मैं सच में मानता हूं कि हर व्यक्ति जिससे आप जीवन में मिलते हैं, वह किसी न किसी रूप में आपका गुरु होता है। चाहे वो कुछ पल के लिए मिले हों या जीवनभर साथ रहें – हर कोई कुछ न कुछ सिखा ही जाता है। एक अभिनेता के रूप में मैंने हर तबके के लोगों से कुछ सीखा है – निर्देशक, सह-कलाकार, स्पॉट दादा, मेकअप आर्टिस्ट – हर एक से कुछ न कुछ मिला है। गुरु पूर्णिमा मेरे लिए सिर्फ बड़े गुरुओं का नहीं, बल्कि उन अनकहे, रोज़मर्रा के शिक्षकों का भी सम्मान है। मैं जीवन का विद्यार्थी बने रहना चाहता हूं, क्योंकि जिस दिन आप सीखना बंद कर देते हैं, उसी दिन आप आगे बढ़ना भी छोड़ देते हैं।'

वीर हनुमान, उफ्फ़... ये लव है मुश्किल, वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से, वीर हनुमान और तेनाली रामा देखें, हर सोमवार से शनिवार, केवल सोनी सब पर

संयम की साधना से आत्मबल की प्राप्ति होती है: मुनिश्री विलोकसागर

-आज मंत्रोचारण के साथ चातुर्मास का संकल्प लेंगे युगल मुनिराज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के छठवें दिन कर्म दहन विधान का पूजन करते हुए 256 अर्घ समर्पित किए गए । जो कर्म हमारी आत्मा पर आवरण डाले हुए अनन्त चतुष्टय को प्रगट नहीं होने देते हैं ऐसे अष्टकर्मों से मुक्त होने के लिए ही पूजन, विधान आदि किए जाते हैं। यह कर्म हमें आत्मा का बोध नहीं होने देते हैं। हमारे अंदर अनन्त बल है, अनन्त ज्ञान है लेकिन हम कर्मों के जाल में ऐसे उलझे हुए हैं कि अपनी शक्ति का अहसास नहीं कर पाते। शेर जैसा बल होते हुए भी हम स्वयं को बिल्ली जैसा कमजोर महसूस करते हैं । संयम की साधना से हमें आत्मबल की प्राप्ति होती है, हमें अपनी शक्तियों का भान होता है, अपनी ताकत का अहसास होता है । हम दृढ़ता के साथ संयम की साधना करते हैं, किसी नियम आदि का पालन करते हैं तो जड़ कर्म हमसे दूर भाग जाते है । बस हमें यह अहसास होना चाहिए कि हम भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर स्वामी तक जिनेंद्र देव के कुल में पैदा हुए हैं। हम भी जिनेंद्र प्रभु की तरह कठोर तप कर सकते हैं, ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, संयम रूपी व्रतों को धारण कर सकते हैं। यदि हमारा तपोबल मजबूत होगा तो ये कर्म हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते । ये तो जड़ हैं और हम चैतन्य हैं। जिस दिन हमें अपनी चैतन्यता का अहसास हो जाएगा, उस दिन हम भी अरिहंतों और सिद्धों की श्रेणी में आ जायेंगे, हम भी इस असार संसार से, जन्म मरण के चक्र से मुक्त होकर सिद्धत्व को प्राप्त कर लेंगे। उक्त उद्गार जैन मुनिराजश्री विलोकसागरजी महाराज ने बड़े जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के छठवें दिन धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए ।

जैन संत मंत्रोचारण के साथ 09 जुलाई को लेंगे चातुर्मास का संकल्प

प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी संजय भैयाजी (मुरैना वाले) ने वर्षायोग के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि दिगंबर जैन आमनाय में जैन साधु सावन का महीना प्रारंभ होते ही अपना पद विहार (आवागमन) रोककर, एक ही स्थान पर रुककर वर्षाकाल के चार माह, आत्म साधना एवं धर्म प्रभावना करते हैं । पूज्य दिगम्बर मुनिराज, आर्यिका माताजी, क्षुल्लक, क्षुल्लिका सभी साधु साध्वियां अहिंसा धर्म का पूर्ण पालन करते हुए प्रकृति में उत्पन्न होने वाले जीवो की रक्षार्थ वे एक ही स्थान पर 4 महीने रुक कर साधना किया करते हैं। आषाढ़ मास की चतुर्दशी को सभी साधु गण भगवान के समक्ष उपवास करके भक्तियों का पाठ करते हुए मंत्रोचारण के साथ चातुर्मास का संकल्प करते हैं एवं प्रतिक्रमण और प्रायश्चित करते हैं । इसी तारतम्य में बुधवार 09 जुलाई को संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य आचार्यश्री आर्जवसागरजी महाराज के मंगल आशीर्वाद से उनसे दीक्षित मुनिश्री विलोकसागरजी एवं मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज भक्तियां करते हुए मुरैना के बड़े मंदिर में चातुर्मास की स्थापना करेंगे। आगामी 20 जुलाई रविवार को समाज के द्वारा कलश स्थापना करके बृहद रूप से कार्यक्रम संपन्न होगा।

पुरी तट के लाइफगार्ड्स ने 10 दिन में 156 जानें बचाईं

पुरी का समुद्र तट अपनी सुंदरता के लिए जितना प्रसिद्ध है, उतनी ही खतरनाक इसकी लहरें भी हो सकती हैं। ऐसे में अगर कोई हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा में 24 घंटे डटा हो, तो वह सच्चा नायक कहलाने का हकदार है। पुरी के पारंपरिक मछुआरा समुदाय नोलिया ऐसे ही नायक हैं, जिन्होंने बीते 10 दिनों में 156 लोगों की जान बचाकर यह साबित कर दिया कि सेवा ही उनका धर्म है।

इस सेवा भाव को पहचानते हुए अदाणी समूह ने हाल ही में इन लाइफगार्ड्स को अत्याधुनिक उपकरण जैसे लाइफ जैकेट, रस्सी, टॉर्च और जरूरी सुरक्षा सामग्री प्रदान की। इसके अलावा, नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को भी फ्लोरोसेंट जैकेट्स और अन्य उपयोगी सामग्री दी गई। यह पहल केवल उपकरण देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इससे इन जमीनी कार्यकर्ताओं के योगदान को भी सम्मान मिला।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा, 'ये लाइफगार्ड्स न सिर्फ बहादुर हैं, बल्कि उनके भीतर सेवा का गहरा भाव है। उनकी सुरक्षा और सुविधा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।' यह पहली बार है जब किसी कॉर्पोरेट समूह ने पुरी तट पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इतनी गंभीरता दिखाई है। नोलिया समुदाय के 450 से अधिक प्रशिक्षित लोग आज 'पुरी बीच लाइफगार्ड महासंघ' के अंतर्गत काम कर रहे हैं। समुद्र किनारे फैले लगभग हर महत्वपूर्ण स्थान होटल ज़ोन से लेकर ब्लू फ्लैग बीच तक इनकी निगरानी में हैं। ये लोग सुबह से लेकर देर रात तक चौकस रहते हैं, ताकि कोई हादसा न हो। हर बचाई गई जान इनके साहस और तत्परता की गवाही देती है।

अदाणी समूह की इस पहल ने न केवल नोलिया समुदाय का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि जब सेवा और संवेदनशीलता साथ हों, तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। पुरी तट आज न सिर्फ सुंदर है, बल्कि पहले से कहीं अधिक सुरक्षित भीऔर इसके पीछे हैं वे नायक, जिन्हें अक्सर कैमरे नहीं पहचानते, पर हर डूबते को किनारे लाना जानते हैं।

शार्ट एनकाउंटर में अन्तर्राज्जीय लुटेरा पकड़ा

बदमाश के पैर में लगी गोली, राजस्थान से दस हजार रूपये का इनाम घोषित था

ग्वालियर। क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार सुबह शॉर्ट एनकाउंटर में एक लुटेरे को पकडा है। पुलिस की गिरफ्त में आए लुटेरे की जब पुलिस ने पहली बार घेराबंदी तो लुटेरे ने क्राइम ब्रांच की टीम पर फायरिंग कर दी और भाग निकला। पुलिस भी उसके पीछे लगी रही। और दूसरी बार पुलिस ने उसका पीछा कर उसके पैर में गोली मारकर पकड़ लिया। उसका साथी फरार हो गया।पुलिस की गिरफ्त में आए लुटेरे पर दस हजार रूपये का इनाम घोषित था।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शातिर लुटेरा कौशल गुर्जर मंगलवार तड़के फूलबाग स्थित अस्पताल में भर्ती अपनी बहन से मिलने आया है। क्राइम ब्रांच की टीम ने अस्पताल के बाहर घेराबंदी की तो कौशल और उसके साथी ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें क्राइम ब्रांच के जवान जेनेंद्र गुर्जर को पेट और हाथ में गोली लगी। जेनेन्द्र को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी दौरान कौशल और उसका साथी भाग निकले। पुलिस ने बदमाश कौशल का पीछा किया और क्राइम ब्रांच, पड़ाव, डबरा और कंपू थाना पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। कुछ घंटों के सर्च आपरेशन के बाद पुलिस को पता चला कि कौशल कैंसर पहाड़ी के जंगल में छिपा है पुलिस ने घेराबंदी कर बदमाश को सरेंडर करने को कहा, लेकिन बदमाश ने फिर पुलिस पर फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो कौशल के पैर में जा लगी। वह घायल होकर गिर पड़ा। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं कौशल का एक साथी मौके से बाइक पर भाग निकला, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस ने आरोपी कौशल को गिरफ्तार कर जेएएच के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। पुलिस कौशल से पूछताछ कर पता लगा रही है कि उसकी गैंग कई और लूट की वारदातों में भी शामिल रही है क्या। पुलिस ने बताया कि कौशल गुर्जर शातिर अपराधी है। लूट के दौरान कट्टे से फायरिंग करना इसकी आदत में शामिल है।

इनका कहना

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि बदमाश कौशल ने दो बार पुलिस टीम पर फायरिंग की। पहली मुठभेड़ में एक जवान घायल हुआ। दूसरी मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश से लूट की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर उसकी गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

पुलिस की कॉम्बिंग गश्त में 209 बदमाश पहुंचे हवालात

ग्वालियर। बदमाशों की नाक में नकेल कसने के लिए सोमवार-मंगलवार की रात एक बार फिर पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त की । 5 घंटे की गश्त में पुलिस ने 328 बदमाशों के घर पहुंचकर चेक किया है कि वह पिछले कुछ दिन से क्या कर रहे हैं, कहीं किसी अपराध में शामिल तो नहीं हैं। इनमें से 174 पुराने गुंडे थे और 154 हिस्ट्रीशीटर थे। इसके अलावा पुलिस ने रात भर में दबिश देकर 209 बदमाशों को गिरफ्तार कर हवालात पहुंचाया है। इसमें इनमें 119 स्थायी व 90 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं। यह कई महीनों से पुलिस को चकमा दे रहे हैं। पुलिस ने रात को की गई चैकिंग के दौरान लगातार आवारागर्दी करने वालों को भी पकड़ा है। सभी गिरफ्तार वारंटियों को पुलिस ने मंगलवार को न्यायालय में पेश किया ।

एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस हर सात से दस दिन में कॉम्बिंग गश्त कर रही है, जिससे बदमाशों की बदमाश पर अंकुश लगाया जा सके। रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात गुंडे-बदमाश अपने घर में सुकून की नींद ले रहे थे, तभी पुलिस ने उनकी धरपकड़ शुरू कर दी। 6 से ज्यादा टीमों ने रात 10.30 बजे से शहर और देहात में एक साथ कॉम्बिंग गश्त की। गश्त की निगरानी एसएसपी, एएसपी व डीएसपी-सीएसपी स्तर के अधिकारी कर रहे थे।सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात पुलिस का एक्शन देखकर कई बदमाश व वारंटियों ने पुलिस से बचने के लिए शहर की संकरी गलियों में दौड़ लगा दी, लेकिन पूरी तैयारी से गई पुलिस से नहीं बच सके। पुलिस ने पीछा कर ऐसे कई वारंटियों को पकड लिया। काम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस जब बदमाशों के घर पहुंची तो पुलिस को बदमाशों के परिजन के विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन पुलिस के तेवर देखकर वारंटियों के परिजन का विरोध जल्द ही ठंडा पड़ गया। पुलिस ने साफशब्दों में कहा कि जो कार्रवाई के बीच में आएगा उसे भी हवालात में डाल देंगे। पुलिस फोर्स काफी तादाद में था इसलिए रात भर में पुलिस ने किसी की एक नहीं सुनी। रात भर में 209 बदमाशों (119 स्थायी वारंटी और 90 गिरफ्तारी वारंटी) को पकड़कर दाखिले हवालात किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने रात में स्टेशन बजरिया, बस स्टैंड, मॉल एरिया जैसे स्थानों पर आवारागर्दी करते आधा दर्जन युवकों को भी हिरासत में लिया गया। थाने ले जाकर उनके परिजन को बुलाया गया और चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसी हरकत मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। काम्बिंग गश्त के दौरान पुरानी छावनी, सिरोल व माधौगंज थाना में अवैध शराब की तस्कर कर रहे तीन लोगों पर एक्शन लिया है। इसके अलावा पुलिस ने 9 अन्य प्रकरण में 17 बदमाशों पर कार्रवाई की है।

15 लाख की अफीम के साथ चार तस्कर पकड़े

ग्वालियर । अफीम भरकर कार में जा रहे चार तस्करों को नारकोटिक्स विभाग ने पनिहार टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया है, कार की तलाशी लेने पर नारकोटिक्स विभाग को 5 किलो 600 ग्राम अफीम बरामद हुई है। तस्करों से पूछताछ में गुना से पंजाब तक नशा तस्करी का नेटवर्क पता चला है। फिलहाल पकड़े तस्करों के खिलाफ विभाग ने नारकोटिक्स अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

नारकोटिक्स इंस्पेक्टर अनुराग ने बताया कि नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों ने पनिहार टोल प्लाजा के पास से चार अफीम तस्करों को पकडा है। पकड़े गए अफीम तस्कर गुना से नशे की खेप लेकर निकले थे। इन्हें अफीम की सप्लाई पंजाब में देनी थी। तस्करों के मूवमेंट की जानकारी जरिये मुखबिर मिली थी। और मुखबिर की सूचना पर कार कार में सवार चारों तस्करों को पनिहार टोल प्लाजा पर घेराबंदी कर पकड़ा गया है। इनके कब्जे से करीब 15 लाख रुपए कीमत की अफीम बरामद हुई है,वही नारकोटिक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर बृजेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया तस्करों का नेटवर्क पता लगाया जा रहा है। उम्मीद है कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल और भी कई चेहरे भी सामने आएंगे।

प्रेम विवाह के बाद मायके से पत्नी नहीं लौटी

पति ने जन सुनवाई में पहुंच कर लगाई गुहार

ग्वालियर। मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे एक युवक ने अपनी पत्नी से खुद की जान का खतरा बता कर सुरक्षा की मांग की। कलेक्ट्रेट की जन सुनवाई में पहुंचे युवक मोहित ने बताया कि 6 मई 2025 को उसने लव मैरिज की थी। शादी के बाद पत्नी अपने मायके पक्ष को मनाने के लिए घर चली गई थी। तबसे उसका कुछ पता नहीं है। मोहित ने बताया कि हमारी जातियां अलग-अलग हैं। मुझे आशंका है कि पत्नी के परिजन उसकी कहीं और शादी करना चाहते है युवक का कहना है कि जब घर वाले जबरन दूसरी जगह शादी कर देते है इसी वजह से लड़की हो या लड़का सोनम-राजा रघुवंशी कांड करने जैसी स्थिति के लिए मजबूर हो जाते है।

कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई में पहुंचे मोहित सेन ने अधिकारियों को बताया

कि वह डबरा देहात का रहने वाला है। और उसकी मुलाकात ग्वालियर की रहने वाली एक लड़की से बानमोर के एक कॉलेज में हुई थी। यह मुलाकात जल्द ही दोस्ती और फिर प्यार में बदल गई। दोनों ने शादी करने के लिए घर वालों से बात की लेकिन अलग-अलग जातियां होने के चलते घर वाले उनकी शादी के लिए सहमत नहीं हुए। आखिर में दोनों घर से भाग गए और 6 मई 2025 को ग्वालियर के आर्य समाज मंदिर में जाकर शादी कर ली। शादी के बाद पत्नी ने अपने घरवालों को मनाने के लिए मायके जाने की इच्छा जताई। पत्नी को भरोसा था की शादी के बाद अब उसके परिवार वाले जरूर मोहित को स्वीकार कर लेंगे। लेकिन वह वापस नहीं आई। पत्नी ने उसे फोन पर बताया कि उसके घर वाले उसकी दूसरी जगह शादी कराना चाहते हैं। जिसके बाद मोहित ने कलेक्टर से एसएसपी ऑफिस तक पत्नी को हासिल करने की गुहार लगा रहा है। मोहित का कहना है कि हमारी शादी हो गई है। यदि, पत्नी के घरवाले दूसरी जगह जबरन शादी कराते है तो इंदौर कि सोनम राजा रघुवंशी जैसे हालात बन जायेंगे।

इनका कहना

युवक ने आर्य समाज मंदिर से शादी की है। शादी का सर्टिफिकेट भी उसने दिखाया है। इस मामले में युवक को पुलिस के जरिए उचित कानूनी मदद दिलाने को कहा है।

विनोद सिंह
एसडीएम

निगम की ई सुविधाओं का शुभारंभ आज

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा आम नागरिकों की सुविधा एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए निगम द्वारा विभिन्न ई सुविधाओं को प्रारंभ आज 9 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे बाल भवन में किया जाएगा। नगर निगम के सभी वार्डों में स्वच्छता की रैंकिंग की घोषणा भी इस अवसर पर की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम ग्वालियर द्वारा आम नागरिकों की स्वच्छता संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु नवीन स्वच्छता एप तैयार किया गया है।

जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्या का निराकरण त्वरित करा सकते हैं। इस ऐप की लॉन्चिंग के साथ ही निगम के सभी पर्यटन स्थलों गांधी प्राणी उद्यान, मछली घर, वेस्ट टू वंडर पार्क, जियोलॉजिकल म्यूजियम, बोट क्लब के टिकट की ऑनलाइन बुकिंग हेतु ऐप की लॉन्चिंग की जाएगी। इसके साथ ही नगर निगम की नवीन अपडेट वेबसाइट का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही निगम के सभी 66 वार्डों के मध्य स्वच्छता रैंकिंग की घोषणा कर अव्वल आने वाले वार्डों को सम्मानित किया जाएगा तथा 15 नवीन डोर टू डोर वाहनों का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार, सभापति मनोज तोमर सहित सभी पार्षदगण एवं अधिकारी उपस्थित रहेगें।

विधायक डॉ. सिकरवार अशोकनगर में धरने में हुए शामिल

ग्वालियर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर दर्ज हुई एफआई.आर को निरस्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेसियों ने अशोकनगर में धरना प्रर्दशन कर जेल भरो आंदोलन किया। धरना प्रदर्शन में शामिल होने विधायक डॉ सतीश सिकरवार चार पहिया वाहनों से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अशोकनगर पहुंचे और धरना आंदोलन में शामिल हुए। मंगलवार की सुबह कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ एम.एल.बी कॉलेज परिसर में एकत्रित होकर काफिले के रूप में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ अशोक नगर के लिए रवाना हुए थे।

निगमायुक्त ने किया क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 का निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 पर पहुंचकर वहां चल रहे समस्या निवारण शिविर का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद निर्माणाधीन नवीन परिषद भवन का निरीक्षण किया तथा वहां चल रहे कार्यों को देखकर संबंधित को निर्देशित किया कि कार्य गुणवत्ता पूर्ण के साथ ही समय सीमा में किया जाए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही ईकेवयसी की जानकारी ली तथा नामांतरण प्रकरणों को लेकर कर संग्रहकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ईवीएम वेयर हाउस में सभी व्यवस्थाएं व सुरक्षा इंतजाम आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पाए गए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर डी एन सिंह भी मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी करें: निगमायुक्त

ग्वालियर। सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतें अधिक लंबित रहने पर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सीवेज एवं सफाई से संबंधित शिकायतें अधिक लंबित रहने पर नाराजगी व्यक्त की तथा जिन अधिकारियों की शिकायतें अधिक मिली उनको नोटिस जारी करने के निर्देश दिए बैठक में निगमायुक्त ने क्षेत्राधिकारी अनिल श्रीवास्तव, अभिषेक ठाकुर, विपिन दुबे, संजीव झा एवं नोडल अधिकारी सीवेज लल्लन सेंगर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सीवेज एवं सफाई से संबंधित शिकायतें अधिक लंबित रहने पर नाराजगी व्यक्त की तथा जिन अधिकारियों की शिकायतें अधिक मिली उनको नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित एल-1 अधिकारी को नोटिस जारी करने के साथ ही एक इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए।

बैठक में निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर नालों से अतिक्रमण हटाये, कहीं नाले पर

अतिक्रमण नहीं मिलना चाहिए। नालों से अतिक्रमण हटा है या नहीं इसकी विस्तृत रिपोर्ट तीन दिवस में दें। साथ ही निर्देशित किया बरसात के दौरान कहीं भी जल भराव की स्थिति न बने, अगर कहीं जल भराव होता है तो 24 घंटे में जल निकासी हो जाए तथा भविष्य में जल भराव न हो इसके लिए प्लान बनाकर आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले तीन माह में सम्पत्तिकर वसूली लक्ष्य के अनुरूप नहीं हुई है जिस कारण संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों ने पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी के साथ सम्पत्तिकर वसूली नहीं की है, उनको नोटिस जारी किया जाए तथा एक-एक इंक्रीमेंट भी रोका जाए। बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों का जवाब समय सीमा में एवं संतुष्टि के साथ लिखित में दें। साथ ही पार्क विभाग की समीक्षा के दौरान कहां कहां प्लांटेशन किया जा रहा हैं उसकी जानकारी मांगी।

पौधरोपण के साथ उसकी सुरक्षा पर भी ध्यान दें: चौधरी मुकेश सिंह

कार्यकर्ता सूची बनाकर पौधारोपण करें: धर्मेन्द्र तोमर

भाजपा की एक पेड मां के नाम अभियान कार्यक्रम की बैठक आयोजित

ग्वालियर । पौधारोपण के साथ उसकी सुरक्षा और वृद्धि पर विशेष ध्यान दें, ताकि यह अभियान औपचारिकता न होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम सिद्ध हो। यह बात भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एक पेड़ मां के नाम के अभियान के प्रदेश संयोजक चौ.मुकेश सिंह ने मंगलवार को अभियान को लेकर आयोजित बैठक मे कही। बैठक में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र सिंह तोमर बिटटू ने कहा कि मंडल टोली के सदस्य प्रत्येक बूथ पर सूचीबद्ध कर पौधारोपण करें।

मंगलवार को भाजपा की एक पेड मां के नाम अभियान कार्यक्रम की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चौ. मुकेश सिंह ने कहा कि हमारे अभियान के अंतर्गत लगाएं जाने वाले पौधों की देखभाल के लिए पालक नियुक्त करें। जो नियमित रूप से इन पौधों की निगरानी और सुरक्षा

का दायित्व निभाएंगे। इस अभियान में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं सहित आमजनों की सहभागिता हो।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने और हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान मील का पत्थर साबित होगा। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि अभियान की सफलता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय टोली का गठन किया गया है। ये टोली नियमित रूप से पौधरोपण की स्थिति की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। बैठक में जिला संयोजक धर्मेंद्र तोमर ने 15 अगस्त तक चलाए जा रहे अभियान के निमित्त हुई तैयारियों की जानकारी देते हुये कहा कि मंडल टोली के सदस्य प्रत्येक बूथ पर सूचीबद्ध कर वृक्षारोपण करें। बैठक का संचालन राजू पलैया ने किया।

बोर्ड की द्वितीय अवसर परीक्षा का मूल्यांकन सातवे दिन भी धीमा

डीएलएड का भी मूल्यांकन शुरू होने से केवल 70-80 वैल्यूअर्स आ रहे

ग्वालियर। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10 एवं 12 वीं की द्वितीय अवसर परीक्षा का मूल्यांकन शुरू हुए सात दिन हो गए है। लेकिन अभी प्रथम चरण का मूल्यांकन कार्य पूरा नहीं हो सका है। मूल्यांकन कार्य को पूरा होने में 12 जुलाई की संभावना है हालांकि यह प्रथम चरण के मूल्यांकन की पहली खेप है। दूसरी खेप आने से पहले कक्षा 12 वीं की हिन्दी, गणित, इकोनोमिक्स विषय की कापियां चैक हो गई है। जबकि फिजिक्स व अंग्रेजी की कापियां चैक होने के लिए रह गई है । इसी तरह कक्षा 10 वीं में विज्ञान व अंग्रेजी की कापियों का मूल्यांकन अभी चल रहा है। 12 जुलाई तक उक्त विषयों का मूल्यांकन कार्य पूरा होने की संभावना है। स्हायक मूल्यांकन अधिकारी सुश्री वर्षा ने बताया कि प्रथम चरण के तहत कक्षा 10 वीं के विज्ञान व अंग्रेजी की केवल दो विषयों की कापियां चैक होने के लिए आई है। वहीं कक्षा 12 वीं में पांच विषयों की कापियां आई है। जिसमें हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी गणित फिजिक्स और अर्थशास्त्र विषय शामिल है। उक्त विषयों की कापियों में से तीन विषयों की कापियों में तीन विषय कम्पलीट हो गए है। लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा होना माना जा रहा है। हालांकि द्वितीय चरण का मूल्यांकन और होगा। इस तरह फिलहाल 25 से 30 प्रतिशत मूल्यांकन कार्य ही पूरा हो पाया है। शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि वैल्यूअर्स वहीं है। डीएलएड का भी मूल्यांकन गोरखी में हो रहा है। तो वहीं स्कूल खुल जाने से शिक्षक पहले विद्यालय जा रहे है फिर दोपहर बाद मूल्यांकन कार्य कर रहे है। 70 से 80 लोग बोर्ड के मूल्यांकन में डयूटी दे रहे है।

सीवर कार्य नहीं करने पर मेसर्स जैन एण्ड राय कस्ट्रक्शन कंपनी को निगम ने दिया नोटिस

ग्वालियर। गल्ला मंडी के पीछे लक्ष्मीगंज एबी रोड़ पर सीवर लाइन का संधारण के बाद सफाई नहीं करने पर मेसर्स जैन एण्ड राय कस्ट्रक्शन कंपनी को निगम ने नोटिस जारी किया गया।

सहायक यंत्री केसी अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार मेसर्स जैन एण्ड राय कस्ट्रक्शन कंपनी साई बाबा मंदिर के पास खेडापति कॉलोनी ग्वालियर द्वारा उपखण्ड लश्कर पश्चिम क्षेत्र क्र.1 के अंतर्गत वार्ड क्रं.37 गल्ला मंडी के पीछे लक्ष्मीगंज एबी रोड़ में सीवर लाइन बिछाने का कार्य सम्पादित किया गया। जिसका संधारण एवं सफाई कार्य स्वीकृत निविदा की शर्तों के अनुसार किया जाना है। परन्तु उक्त कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा सीवर लाइन बिछाने के उपरांत सीवर सफाई कार्य नहीं किया गया है। जिस कारण से उक्त क्षेत्र की सीवर लाइन ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न होने के साथ-साथ क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में आप संबंधित उपयंत्री के साथ स्थल भ्रमण कर उक्त क्षेत्र की सीवर समस्या का समाधान करें। जिससे क्षेत्र में जल भराव की स्थिति पुनः निर्मित ना हो साथ ही समस्या के निराकरण हेतु सीवर सेक्शन बदलना आवश्यक हो तो सीवर सेक्शन बदलने की कार्यवाही भी प्रस्तावित करें। जिससे सीवर लाइन सुचारू रूप से संचालित हो सके एवं क्षेत्र की सीवर समस्या का निराकरण होने के साथ-साथ जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना हो। अतः आप उक्त कार्य को प्राथमिकता के आधार पर 02 दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चलित पशु चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से पशुओं का किया उपचार

ग्वालियर । शहरों से लेकर दूर-दराज में बसे गाँवों के निवासियों को अपने पशुओं का इलाज कराने में राज्य सरकार द्वारा संचालित 021 'चलित पशु चिकित्सा इकाई' से बड़ी सुविधा मिल रही है। एक फोन कॉल पर चलित पशु चिकित्सा इकाई का वाहन पशु के उपचार के लिए मौके पर पहुँच जाता है। ग्वालियर-चंबल संभाग में वर्ष 2024-25 में चलित पशु चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से ग्वालियर जिले के 9 हजार 607 पशुओं सहित दोनो संभागों में कुल 83 हजार 29 पशुओं का उपचार किया गया। ग्वालियर व चंबल संभाग में वर्तमान में 56 चलित पशु चिकित्सा इकाई संचालित हैं। इनमें से ग्वालियर जिले में 6, दतिया में 4, शिवपुरी में 9, गुना में 8, अशोकनगर में 5, भिण्ड में 8, मुरैना में 9 व श्योपुर जिले में 7 इकाई संचालित हैं। पिछले वित्तीय वर्ष (2024-25) के दौरान ग्वालियर संभाग के अंतर्गत चलित पशु चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से ग्वालियर जिले में 9 हजार 607, दतिया में 6 हजार 256, शिवपुरी में 16 हजार 756, गुना में 10 हजार 178 व अशोकनगर जिले में 9 हजार 573 पशुओं का उपचार किया गया।

इसी तरह चंबल संभाग के अंतर्गत भिण्ड जिले में 9 हजार 568, मुरैना में 13 हजार 758 व श्योपुर जिले में 7 हजार 333 पशुओं का उपचार चलित पशु चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से बीते वित्तीय वर्ष के दौरान किया गया। चलित पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से कुत्ता व बिल्ली का इलाज कराने के लिए 300 रूपये व अन्य पशुओं के इलाज के लिए 150 रूपये प्रति पशु शुल्क निर्धारित है। कोई भी व्यक्ति टोल फ्री नं. 1962 पर कॉल कर इस सुविधा का लाभ उठा सकता है।

संपादकीय

ब्रिक्स सम्मेलन से आतंकवाद को लेकर मोदी का संदेश, चीन और पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

ब्रिक्स हाल के वर्षों में एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें भारत, चीन व रूस समेत दुनिया की ग्यारह प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस समूह के महत्त्व समेत कई अहम मसलों पर चर्चा की गई, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा आतंकवाद का था। इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अनुपस्थित रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में आभासी माध्यम से ही शामिल हुए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी को एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया और कहा कि आतंक के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। आतंकियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में किसी भी देश को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को न केवल पाकिस्तान, बल्कि चीन के लिए भी एक नसीहत के रूप देखा जा रहा है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को खाद-पानी देता है, वहीं चीन ने हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कई पाकिस्तानी आतंकियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को अवरुद्ध किया है। इससे इन दोनों देशों की कथनी और करनी में अंतर साफ नजर आता है। पाकिस्तान दुनिया को यह दिखाने का प्रयास करता है कि वह खुद आतंकवाद से पीड़ित है, मगर दूसरी ओर वह आतंकियों को प्रशिक्षित कर उन्हें भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। ब्रिक्स हाल के वर्षों में एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें भारत, चीन व रूस समेत दुनिया की ग्यारह प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। ब्रिक्स देश एक 'बहुध्रुवीय विश्व' के लिए जोर दे रहे हैं, जहां शक्ति अधिक बंटी हुई हो। ऐसे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ब्रिक्स सम्मेलन से अनुपस्थित रहना चौंकाने वाला है। जिनपिंग के सत्ता संभालने के बाद यह पहली बार है कि वे इस सम्मेलन से दूर रहे। वह भी तब, जब वे ब्रिक्स समूह को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के खिलाफ एक आर्थिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं। भू-राजनीतिक मामलों के लिहाज से देखें तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि ब्रिक्स के हालिया विस्तार ने चीन के लिए इसके वैचारिक मूल्य को कम कर दिया है। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि चीन, अमेरिका के साथ व्यापार संघर्ष के कारण घरेलू आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है और जिनपिंग इन दिनों घरेलू अर्थव्यवस्था को दिशा देने में उलझे हुए हैं। बहरहाल, ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के अलावा, मानवीय मूल्यों पर आधारित कृत्रिम मेधा, अमेरिकी शुल्क, मानवता के विकास के लिए शांतिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण के मसले पर भी चर्चा हुई। इसमें दोराय नहीं कि ब्रिक्स देशों को अपनी साझा चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक आज दुनिया विवादों और संघर्षों से जूझ रही है, ब्रिक्स जैसे समूहों की प्रासंगिकता और भी अहम हो जाती है। मगर, वैश्विक मंच पर गंभीरता से लिए जाने के लिए ब्रिक्स को पहले अपने आंतरिक ढांचे और प्रणालियों को सुदृढ़ करना होगा। कथनी और करनी के बीच अंतर खत्म करना होगा। साथ ही ब्रिक्स देशों को एकजुट होकर उन प्रयासों का पुरजोर समर्थन करना होगा, जो दुनिया को आतंकवाद, विभाजन व संघर्ष से दूर और संवाद, सहयोग व समन्वय की ओर ले जाए।

सकारात्मकता के रथ पर सवार, आज की समय में बदलाव का दृढ़ संकल्प रखने के साथ शुरूआत की जरूरत

> सुबह होते ही सूरज निकलने के साथ सारी चिड़िया चहचहाने लगती है और जिंदगी अपने सफर के लिए निकल पड़ती है। रात्रि में भी रोजी-रोटी के लिए काम करने वालों को छोड़ दें, तो शायद हममें से ज्यादातर लोग सुबह उठ जाते होंगे और उठने के कुछ पल बाद ही हाथ में फिर मोबाइल आ जाता होगा। अंगुलियां मशीनी ढंग से मोबाइल पर चलने लगती होंगी। साथ ही रील पर रील निकलती जाती होगी। कभी हास्य, कभी नृत्य, कभी अधकचरा ज्ञान हमारे समय के कांटे को आगे खींचता जाता है। सुस्ताने में मग्न मन बीते कल की आदतों की पुनरावृति कर रहा होता है, दूसरी ओर आने वाले कल के अवसाद और घबराहट की स्थिति अचानक मुंह उठाए सामने खड़ी हो जाती है।

आज अगर हम अपने जीवन में कोई सकारात्मक कदम उठाएंगे, तो उसकी सफलता पाने का पैमाना कल नहीं है। कल कभी आज के बारे में सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। आज सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। हम आज प्रयास करेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता के पथ पर बढ़ते जाएंगे। सिर्फ मन को मजबूती से आदेश देने की जरूरत है। सुबह होते ही सूरज निकलने के साथ सारी चिड़िया चहचहाने लगती है और जिंदगी अपने सफर के लिए निकल पड़ती है। रात्रि में भी रोजी-रोटी के लिए काम करने वालों को छोड़ दें, तो शायद हममें से ज्यादातर लोग सुबह उठ जाते होंगे और उठने के कुछ पल बाद ही हाथ में फिर मोबाइल आ जाता होगा। अंगुलियां मशीनी ढंग से मोबाइल पर चलने लगती होंगी। साथ ही रील पर रील निकलती जाती होगी। कभी हास्य, कभी नृत्य, कभी अधकचरा ज्ञान हमारे समय के कांटे को आगे खींचता जाता है। सुस्ताने में मग्न मन बीते कल की आदतों की पुनरावृत्ति कर रहा होता है, दूसरी ओर आने वाले कल के अवसाद और घबराहट की स्थिति अचानक मुंह उठाए सामने खड़ी हो जाती है। रात को दोहराए हुए प्रेरणास्पद और उत्साह जगाने वाले संकल्प न जाने कहां गुम हो जाते हैं। रोजमर्रा की समस्याओं का अंबार सामने चुनौती की तरह नजर आने लगता है। लगने लगता है कि बीता हुआ कल ही सत्य है। जो आज है, वह असत्य है। इसके बाद फिर हमारे बीते हुए कल से भी केवल नकारात्कता का संदेश ही मिल पाता है। उधर लोग भी पुरानी स्मृतियों के कारण हमें गंभीरता से नहीं लेते हैं तो हम और कुंठित हो जाते हैं। हम बार-बार कभी गुस्से में, कभी उत्साह जगाने वाली बातों से ओतप्रोत जीवन बदलने का दृढ़ संकल्प लेते हैं, लेकिन हमेशा से मन का नकारात्मक प्रतिरूप फिर से हमें अंधकार में धकेल देता है। फिर मन आसान और पलायन वाला रास्ता चुनकर, सारी चुनौतियों को आने वाले कल पर छोड़कर निश्चिंत हो जाता है, जो हमारे जीवन में न तो कभी आया है और न ही कभी आ पाएगा। मन भी क्या करे? उसका काम ही यह है कि वह हमारे विचारों के आधार पर ही जीवन को दिशा देता है। दरअसल, कल का इस दुनिया के वर्तमान में कोई अस्तित्व नहीं होता है। जो भी होता है, आज ही होता है। गलत आदतों और आलस्य में रचे-बचे होने के कारण व्यक्ति का बदलना बहुत मुश्किल हो जाता है, श्रम करने में परेशानी होती है। आदत कैसी भी हो, अच्छी या बुरी, वह हमारे अंदर एक ढांचा या तौर-तरीका पैदा करती है। जैसे ही समान स्वरूप वाली समस्याएं सामने आती हैं, शरीर पुराने ढांचे में बने होने के कारण उसी तरह व्यवहार करता है। आलस्य से भरा है तो वह आलस्य के ही निर्देश जारी करता है। क्रोध से भरा है तो क्रोध का ही व्यवहार करने लग जाता है। इसलिए यहां एक तथ्य समझने की जरूरत है कि आज बीता हुआ कल नहीं है। कल जो आदतें यंत्रवत होने के कारण बार-बार दोहराने में आ रही थी, जीवन बार-बार नकारात्मक पैमाने पर चल रहा था, लेकिन आज हमने एक बदलाव के दृढ़ संकल्प रखने के साथ शुरूआत की है, कुछ नई सकारात्मक आदतों का प्रारंभ करने का निश्चय किया है, तो उन्हें पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शुरू करना चाहिए। प्रारंभ में बहुत तकलीफ हो सकती है। मन बार-बार वहां से भागने को कह सकता है। आदत होने के कारण शरीर बार-बार नकारात्मक दिशा में भागेगा भी। पर हम एक मजबूत इरादे के साथ खड़े होंगे और साथ ही यह दोहराएंगे कि आज, सबसे अलग है, आज बीता हुआ कल नहीं है। जो हम कल नकारात्मक आदतों के साए में जी रहे थे, वह एक आदतवश जिए जा रहे थे। आज, आज है। आज सबसे अलग है। बहती हुई गंगा का जल भी कल जैसा नहीं है। वह आगे निकल गया है। प्रवाह में नए जल ने उसकी जगह ले ली है। सच यह है कि आज हम भी कल जैसे नहीं है। हमारे साथ एक दृढ़ संकल्प की चेतना का प्रादुर्भाव हुआ है। हमारे विचारों ने एक नई दिशा पकड़ी है। हम सकारात्मकता के रथ पर सवार हैं। सिर्फ हम अपने आज को छोटी-छोटी बेहतर आदतों का दामन पकड़ कर चलते रहें। कल की नकारात्मक स्मृतियों से थोड़ी परेशानी आएगी। पुरानी आदत के खिलाफ जाते ही मन बहुत विरोध करेगा। बार-बार लगेगा कि बीता हुआ कल ही सबसे बड़ा सच है। लेकिन जैसे ही आज हम एक संकल्प के साथ नई आदतों की शुरूआत करेंगे! कई बार हम अपने आपको न बदलने के कारण मन को बहुत मजबूत समझते हैं, हमें प्रतीत होता है कि हमसे नहीं हो पाएगा। हमारी नकारात्मक आदतें बहुत मजबूत है। हम बहुत कमजोर है। कल की पुरानी स्मृतियां हमेशा हमारे मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी स्मृतियां बार-बार यह संदेश देगी कि पहले भी बहुत बार किया पर हम असफल रहे, लेकिन हम भूल जाते हैं कि आज, आज ही है। आज अगर हम अपने जीवन में कोई सकारात्मक कदम उठाएंगे, तो उसकी सफलता पाने का पैमाना कल नहीं है। कल कभी आज के बारे में सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। आज सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। हम आज प्रयास करेंगे, तो निश्चित रूप से सफलता के पथ पर बढ़ते जाएंगे। सिर्फ मन को मजबूती से आदेश देने की जरूरत है। मन हमारे निर्देश पर ही चलता है, इसलिए गुलाम है, उसे हम स्वामी न बनाए। अगर हम आज मजबूती से डटे रहे, आज अपनी नई आदतों का सुचारु रूप से पालन करते रहे तो मन झट से आत्मसर्मपण कर देगा। इसलिए बस आज का ध्यान रखना चाहिए। बदलने के लिए सिर्फ आज ही महत्त्वपूर्ण है, आज हम बदले, तो हमारी दुनिया का बदलना निश्चित है।

दलाई लामा से घबराया चीन, तिब्बत और विश्व में बौद्ध नेता की लोकप्रियता का प्रमाण

चिनफिंग का अगला निशाना दलाई लामा के अगले अवतार की खोज पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण स्थापित करना है जिससे तिब्बती जनता पर वर्तमान दलाई लामा की मृत्यु के बाद उसके सरकारी दलाई लामा का नियंत्रण हो लेकिन यूरोपीय संघ अमेरिकी सरकार और मानवाधिकार संगठनों के विरोध ने चीन की राह में रोड़े अटका दिए हैं। आजकल दलाई लामा अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में हैं। छह जुलाई को जन्मतिथि से तीन दिन पहले धर्मशाला में अपनी दीर्घायु के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में दलाई लामा ने घोषणा की कि दलाई लामा के पुनर्जन्म की तिब्बती परंपरा उनके बाद भी कायम रहेगी और उनके नए अवतारी बालक को खोजने का एकमात्र अधिकार और जिम्मेदारी तिब्बती धर्म संस्था 'गंदेन-फोड्रांग' के पास रहेगी। उन्होंने चीनी दावों को चुनौती देते हुए कहा कि किसी गैर तिब्बती और बाहरी शक्ति को इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। दलाई लामा के इस बयान से बौखलाए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस खोज और नियुक्ति का अधिकार दलाई लामा का नहीं, बल्कि केवल चीन सरकार का है और अगले दलाई लामा की खोज एक स्वर्ण कलश में डाले गए नामों में से लाटरी के आधार पर होगी। इससे दलाई लामा, उनके पुनर्जन्म की परंपरा और तिब्बत पर दुनिया का ध्यान फिर से केंद्रित हो गया। विश्व बिरादरी के मन में यह उत्सुकता है कि आखिर एक निहत्थे, बूढ़े और शरणार्थी धर्मगुरु में ऐसा क्या है कि इतनी बड़ी सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति नए अवतारी बच्चे पर कब्जा जमाने के लिए क्यों पगलाई हुई है? यहां केवल दो मूल बातों को समझना होगा। एक तो यह कि तिब्बत की धार्मिक-सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था में दलाई लामा को सर्वोच्च धार्मिक गुरु और शासक का दर्जा प्राप्त है। तिब्बत में दलाई लामा की मृत्यु के बाद अगले शासक और धर्मगुरु की जिम्मेदारी किसी चुनाव या पारिवारिक विरासत के आधार पर नहीं तय होती। उनके नए अवतार को इस पद पर बिठाया जाता है। वर्तमान दलाई लामा इस परंपरा में 14वें हैं। माना जाता है कि दलाई लामा और दूसरे सिद्ध लामाओं में अपने अगले जन्म के बारे में फैसला करने और उससे जुड़े पूर्वानुमानों की शक्ति होती है। हर बड़ा लामा अपने अगले अवतार के बारे में विस्तृत जानकारी छोड़ जाता है। बाद में इस जानकारी और कुछ अन्य अनुष्ठानों की मदद से अन्य लामा उस काल में पैदा हुए सैकड़ों बच्चों में से सही अवतार को खोज लेते हैं। तिब्बत और चीन के पुराने ऐतिहासिक संबंधों में दसवें दलाई लामा की खोज के समय चीन के मंचू राजा ने तिब्बत में इस विषय पर खड़े विवाद को एक स्वर्ण कलश में पर्चियां डाल कर लाटरी के माध्यम से तय किया था। बाद में चीन पर 1912 में विदेशी मंचू शासन की समाप्ति होने पर वहां चीनी शासन स्थापित हुआ, जिसे 1949 की हिंसक कम्युनिस्ट क्रांति में माओ ने पलट दिया। सत्ता में आने के तुरंत बाद माओ की सेना ने उसी साल ईस्ट तुर्किस्तान (शिनजियांग) और 1951 में तिब्बत पर कब्जा करके चीन को विशाल विस्तार दे दिया। वर्तमान दलाई लामा को 1959 में तब भागकर भारत में शरण लेनी पड़ी, जब चीनी कब्जे के खिलाफ तिब्बती जनता के जन उभार को चीनी कम्युनिस्ट शासन ने बेरहमी से कुचल डाला। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार इस अभियान में चीनी सेना ने एक पखवाड़े में ही 80 हजार से ज्यादा तिब्बती नागरिकों की हत्या कर डाली थी। 1959 के बाद से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, चीनी सेना और चीन सरकार तिब्बती जनता को अपने वश में करने और दलाई लामा के प्रभाव को खत्म करने के लिए वहां हर तरह के हथकंडे अपना चुकी है। 1987 और 1989 के तिब्बती जनांदोलन में चीनी शासकों को यह देखकर बहुत सदमा लगा कि दो पीढ़ियों के बाद भी तिब्बती युवाओं में तिब्बती धर्म, दलाई लामा और तिब्बती आजादी की ललक बनी हुई है। तब से चीनी नेता तिब्बती धर्म पर भीतर से कब्जा करने की नीति पर चल रहे हैं। इस नीति के तहत सभी अवतारी लामाओं की खोज और उनको गद्दी पर बिठाने का पूरा नियंत्रण चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण वाली बौद्ध कमेटियों के हाथ में है। 2008 में बीजिंग ओलिंपिक के समय तिब्बती जनता के विद्रोह में दिखी दलाई लामा की लोकप्रियता के बाद तो चीन सरकार के इस अभियान ने बहुत गति पकड़ ली। 2012 में शी चिनफिंग द्वारा सत्ता पर काबिज होने के बाद तो इस अभियान ने तिब्बत में सांस्कृतिक-संहार का रूप ले लिया। दलाई लामा से जुड़े लोगों और संस्थाओं से फोन या इंटरनेट के जरिये संपर्क बनाने और यहां तक कि घर या अपने मोबाइल में दलाई लामा का फोटो रखने को भी 'राष्ट्रद्रोह' मानते हुए कम से कम सात साल की जेल सजा का प्रविधान है। तिब्बती बौद्ध धर्म को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति आस्थावान बनाने की चिनफिंग की घोषणा के बाद तो अधिकांश तिब्बती इलाकों से ऐसी हर मूर्ति को नष्ट किया जा चुका है, जो गांव या शहर के घरों से ऊंची दिखने वाली थी। कम्युनिस्ट राष्ट्रवाद के नए अभियान के तहत तिब्बती परिवारों से पांच साल से बड़े लाखों बच्चों को जबरन अलग करके उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी के ऐसे हास्टल-स्कूलों में डाल दिया गया, जहां न केवल तिब्बती भाषा बोलने-पढ़ने पर पाबंदी, बल्कि माता-पिता से मिलने की सीमित अनुमति भी महीनों बाद मिलती है। इस दमनकारी अभियान से चिनफिंग और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी को पूरी उम्मीद है कि तिब्बतियों की अगली पीढ़ी केवल शक्ल से तिब्बती होगी, दिल दिमाग से पूरी तरह चीनी होगी। चिनफिंग का अगला निशाना दलाई लामा के अगले अवतार की खोज पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण स्थापित करना है, जिससे तिब्बती जनता पर वर्तमान दलाई लामा की मृत्यु के बाद उसके सरकारी दलाई लामा का नियंत्रण हो, लेकिन यूरोपीय संघ, अमेरिकी सरकार और मानवाधिकार संगठनों के विरोध ने चीन की राह में रोड़े अटका दिए हैं। चीन के भीतर चीनी सेना, कम्युनिस्ट पार्टी और व्यापारी वर्ग में चिनफिंग के खिलाफ बढ़ते जा रहे विरोध की खबरों ने पहले से ही चीनी राष्ट्रपति के लिए चिंता पैदा की हुई है। दलाई लामा की इस घोषणा ने भी चिनफिंग के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है कि वह 130 साल की उम्र तक जिएंगे। अब दुनिया की रुचि यह देखने में है कि पहले दलाई लामा इस दुनिया से जाएंगे या चीन से कम्युनिस्ट शासन की विदाई होगी?

इंग्लैंड को हराना भारतीय टीम के हौसले की जीत, इस मैच में लगी कीर्तिमानों की झड़ी

> यह एक ऐसा क्रिकेट मैच था, जिसमें कीर्तिमानों की झड़ी लग गई। विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की जीत सचमुच ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले भारत ने यहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। मगर भारत के नए और युवा खिलाड़ियों की टीम की असीम ऊर्जा के आगे इंग्लैंड बुरी तरह लड़खड़ा गया। उत्साह से लबालब खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी कर जिस तरह से बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा है, उसे मेजबान देश हमेशा याद रखेगा।

बर्मिंघम में शानदार विजय से साबित हो गया कि हमारे पास अब एक समर्थ टीम है। आमतौर पर विदेशी धरती पर पिच की प्रकृति के मुताबिक ही खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद का रुख, फिर उसी से जीत-हार की दिशा भी तय होती है। यह एक ऐसा क्रिकेट मैच था, जिसमें कीर्तिमानों की झड़ी लग गई। विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की जीत सचमुच ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले भारत ने यहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। मगर भारत के नए और युवा खिलाड़ियों की टीम की असीम ऊर्जा के आगे इंग्लैंड बुरी तरह लड़खड़ा गया। उत्साह से लबालब खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी कर जिस तरह एक तरह से बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा है, उसे मेजबान देश हमेशा याद रखेगा। यह कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के कौशल का ही परिणाम था कि भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हरा कर एजबेस्टन में जीत का झंडा लहरा दिया। इस दौरान हर भारतीय खिलाड़ी का प्रदर्शन देखने लायक था। शुभमन ने जहां एक पारी में 269 तो दूसरी पारी में 161 रन बनाए। उनका यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वे विदेश में छब्बीस वर्ष से भी कम उम्र में टेस्ट मैच जीतने वाली टीम के सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले सुनील गावस्कर ने सबसे कम उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। शुभमन दसवें ऐसे बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा है। एक कीर्तिमान यह भी बना कि एजबेस्टन में भारत की पहली बार जीत हुई। इससे पहले यहां नौ मुकाबलों में उसे आठ में हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, यहां जीत हासिल करने वाली यह पहली एशियाई टीम भी बन गई है। रनों के मामले में भी विदेशी धरती पर भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए भारत ने 318 रन बना कर जीत को अपने खाते में डाला था। दूसरी ओर गेंदबाज आकाश दीप ने दस विकेट झटक कर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर को और भी चमकदार और सुनहरा बना दिया है। दरअसल, बर्मिंघम में शानदार विजय से साबित हो गया कि हमारे पास अब एक समर्थ टीम है। आमतौर पर विदेशी धरती पर पिच की प्रकृति के मुताबिक ही खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद का रुख, फिर उसी से जीत-हार की दिशा भी तय होती है। मगर एजबेस्टन में भारतीय टीम ने दिखाया कि दमखम के साथ-साथ पिच से तालमेल बिठा कर कैसे अपने पांव टिकाए जाते हैं और दांव जीता जाता है।

फर्जी लाभार्थियों पर लगाम, केवाईसी पर देना होगा ध्यान

> इस राज्य में 45 लाख परिवार सस्ता अनाज ले रहे थे। जब उनसे केवाईसी कराने को कहा गया तो पात्र लाभार्थी काफी कम निकले। करीब 31 लाख लोग भ्रष्ट तौर-तरीकों का सहारा लेकर अपात्र होते हुए भी केंद्र सरकार की सस्ता अनाज योजना का लाभ उठा रहे थे। इससे बड़ी विडंबना और चिंता की बात कोई नहीं कि जो लोग गरीबी रेखा से नीचे नहीं थे वे भी मुफ्त अनाज ले रहे थे। जिन लाखों लोगों ने केवाईसी नहीं कराई उनके बारे में इस नतीजे पर पहुंचना स्वाभाविक है कि वे अपात्र थे।

यह ठीक है कि अनावश्यक केवाईसी नहीं होनी चाहिए और बार-बार नहीं होनी चाहिए लेकिन कुछ योजनाओं और सुविधाओं में तो अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। यह आवश्यक हो गया है कि सिम कार्डधारकों की केवाईसी के साथ ही उसे आधार से जोड़ने का काम इस तरह से हो ताकि कोई भी फर्जी नाम से सिम न लेने पाए। लोगों की पहचान और उनके दस्तावेजों की पुष्टि करने वाली प्रक्रिया कितनी लाभकारी सिद्ध हो रही है, इसका पता पंजाब में लाखों की संख्या में फर्जी लाभार्थियों के सामने आने से चल रहा है। इस राज्य में 45 लाख परिवार सस्ता अनाज ले रहे थे। जब उनसे केवाईसी कराने को कहा गया तो पात्र लाभार्थी काफी कम निकले। करीब 31 लाख लोग भ्रष्ट तौर-तरीकों का सहारा लेकर अपात्र होते हुए भी केंद्र सरकार की सस्ता अनाज योजना का लाभ उठा रहे थे। इससे बड़ी विडंबना और चिंता की बात कोई नहीं कि जो लोग गरीबी रेखा से नीचे नहीं थे वे भी मुफ्त अनाज ले रहे थे। जिन लाखों लोगों ने केवाईसी नहीं कराई उनके बारे में इस नतीजे पर पहुंचना स्वाभाविक है कि वे अपात्र थे। यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी सरकारी सुविधा अथवा रियायत या राहत का अनुचित लाभ उठाया जा रहा हो। इस तरह के मामले अन्य अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं में भी सामने आते रहे हैं। इन मामलों के सामने आने से इसी आवश्यकता को बल मिलता है कि प्रत्येक योजना के लाभार्थियों की केवाईसी कराई जानी चाहिए। किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड समेत अन्य अनेक मामलों में केवाईसी होती है। उचित यह होगा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना को केवाईसी से जोड़ा जाए ताकि सरकारी सहायता और सुविधा का लाभ उन्हीं लोगों को मिल सके जो उसके अधिकारी हैं। इसका कोई औचित्य नहीं कि जो पात्र नहीं यानी सक्षम हैं, वे किसी भी सरकारी सुविधा-सहायता का अनुचित लाभ उठाएं। ऐसा इसलिए नहीं होना चाहिए, क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारें सैकड़ों करोड़ रुपये की सब्सिडी देती हैं। इस सब्सिडी का दुरुपयोग भ्रष्टाचार के अलावा और कुछ नहीं। कई बार इस भ्रष्टाचार में सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल होते हैं। निश्चित तौर पर नेता लोग भी शामिल होते हैं और इसीलिए वे यदाकदा केवाईसी को अनावश्यक एवं जटिल भी करार देते हैं। यह निरा झूठ है और एक तरह से भ्रष्टाचार की अनदेखी भी। इसका अनुमान लगाना कठिन है कि फर्जी लाभार्थियों ने कितनी बड़ी धनराशि अनुचित रूप से हासिल की होगी। इस राशि का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों की जेब में गया होगा। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अपने देश में भ्रष्टाचार के नियंत्रित न हो पाने का एक बड़ा कारण भ्रष्ट नेता, अधिकारी एवं कर्मचारी भी हैं। कई बार आम लोग भी भ्रष्ट तौर-तरीके अपनाने में संकोच नहीं करते। यह ठीक है कि अनावश्यक केवाईसी नहीं होनी चाहिए और बार-बार नहीं होनी चाहिए, लेकिन कुछ योजनाओं और सुविधाओं में तो अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। यह आवश्यक हो गया है कि सिम कार्डधारकों की केवाईसी के साथ ही उसे आधार से जोड़ने का काम इस तरह से हो ताकि कोई भी फर्जी नाम से सिम न लेने पाए।

वर्ल्ड कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी - विराट कोहली

प्लेयर्स की मानसिक मजबूती काबिल-ए-तारीफ, जोकोविच का मैच देखने गए थे

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेनिस खिलाड़ियों की मानसिक ताकत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि टेनिस खिलाड़ी जिस तरह हर हफ्ते दबाव में खेलते हैं, वह भारत के वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले या नॉकआउट मैचों के दबाव जैसा होता है।

विंबलडन देखने लंदन पहुंचे कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ थे और उन्होंने पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज से बातचीत में ये बातें कहीं।

टेनिस प्लेयर में दबाव अच्छे से हैंडल करते हैं विराट कोहली ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, जब हम वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हैं या सेमीफाइनल-फाइनल जैसे बड़े मैच होते हैं, तो पैरों में कांप महसूस होती है। लेकिन टेनिस खिलाड़ी शायद क्वार्टरफाइनल से लेकर फाइनल तक हर मैच में ऐसा दबाव झेलते हैं। उन्होंने कहा कि टेनिस खिलाड़ियों की फिटनेस और मानसिक मजबूती काबिल-ए-तारीफ है।

क्रिकेट और टेनिस में अंतर कोहली ने बताया कि क्रिकेट और टेनिस दोनों के अपने-अपने चैलेंज होते हैं। क्रिकेट में कभी-कभी बहुत देर तक इंतजार करना पड़ता है कि आपकी बल्लेबाजी कब आएगी। वहीं टेनिस में आपको पता होता है कि किस समय मैच है और कब कोर्ट में उतरना है। उन्होंने कहा कि टेनिस में खिलाड़ी के पास वापसी का मौका होता है, लेकिन क्रिकेट में एक गलती पूरे मैच से बाहर कर सकती है। अगर बल्लेबाजी में एक गलती हो गई, तो आपको पूरे दिन दर्शकों की तरह ताली बजानी पड़ती है। लेकिन टेनिस खिलाड़ी दो सेट हारने के बाद भी मैच जीत सकते हैं।

इंग्लैंड की हार से बौखलाए बॉयकॉट ने वोक्स पर साधा निशाना, क्राउली के लिए कहा- वह सुधर ही नहीं सकते

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में मिली हार से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉय निराश हैं। उन्होंने मौजूदा टीम के दो खिलाड़ियों पर खराब प्रदर्शन के लिए निशाना साधा है। बॉयकॉट ने वोक्स की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय बीत चुका है, जबकि सलामी बल्लेबाज क्राउली के पास अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है।

वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के मौजूदा आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने भारत के खिलाफ मौजूदा सीरीज में अब तक दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने ब्रिटिश दैनिक 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

बॉयकॉट ने लिखा, क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है। इसकी आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं। विदेशी जमीन पर उनका रिकॉर्ड खराब है। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है, लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है।

क्राउली पर निशाना साधते हुए बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज अब इससे ज्यादा बेहतर नहीं हो सकता। क्राउली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में एक अर्धशतक लगाया है।

यूथ वनडे- इंग्लैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया, वैभव सूर्यवंशी 33 रन ही बना सके

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 टीम इंग्लैंड के खिलाफ यूथ वनडे सीरीज का 5वां मैच 7 विकेट से हार गई है। हालांकि, इस हार के बावजूद टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज 3-2 से अपने नाम कर ली है।सोमवार को भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 210 रन बनाए। 211 रन का टारगेट इंग्लैंड ने 113 बॉल शेष रहते हुए आसानी से हासिल कर लिया।

भारत की खराब शुरुआत, कप्तान आयुष एक रन ही बना सके भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने 9 रन के स्कोर पर कप्तान आयुष म्हात्रे (1 रन) और विहान मल्होत्रा (1 रन) के विकेट गंवा दिए। वैभव सूर्यवंशी (42 गेंदों में 33 रन) भी ज्यादा देर तक टिक नहीं सके। वैभव ने राहुल कुमार (21) के साथ मिलकर 51 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को संभाला।

यह साझेदारी खतरनाक होती उससे पहले ही सूर्यवंशी तीन चौके और दो छक्के लगाने के बाद सेबस्टियन मॉर्गन की गेंद पर एलेक्स ग्रीन को कैच देकर आउट हो गए। राहुल कुमार भी ज्यादा देर टिक नहीं पाए और ग्रीन की गेंद पर बीजे डॉकिन्स को कैच थमा बैठे। विकेटकीपर हरवंश पंगालिया (24 रन), कनिष्क चौहान (24 रन) और दीपेश देवेंद्रन शून्य के स्कोर पर आउट हुए।

आरएस अंबरीश ने 81 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 66 रन बनाकर एक छोर संभाले रखा और टीम के स्कोर को 200 रन के पार पहुंचाया। इंग्लैंड की ओर से एलेक्स फ्रैंच और राल्फी एलबर्ट ने 2-2 विकेट झटके। मैथ्यू फिरबैंक, सेबस्टियान मॉर्गन, एलेक्स ग्रीन और एकांश सिंह को एक-एक विकेट मिला।

वियान मुल्डर ने क्यों नहीं तोड़ा लारा का रिकॉर्ड, बोले- वे एक लीजेंड प्लेयर

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के कप्तान वियान मुल्डर के पास जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में ब्रायन लारा के 400 के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका था। दूसरे दिन जब लंच हुआ तब मुल्डर 367 के स्कोर पर नाबाद पवेलियन लौटे थे, लेकिन ब्रेक के दौरान उन्होंने पारी डिक्लेयर कर दी। वे लारा का रिकॉर्ड इसलिए तोड़ने नहीं गए, क्योंकि उन्हें लगा कि यह रिकॉर्ड लारा के ही नाम रहना चाहिए। दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद सुपरस्पोर्ट पर शॉन पोलक को दिए इंटरव्यू में मुल्डर ने कहा, %सबसे पहले मैंने सोचा कि हमने पर्याप्त रन बना लिए हैं और अब हमें बॉलिंग करनी चाहिए। और दूसरी बात यह कि ब्रायन लारा एक लीजेंड प्लेयर हैं। उनके कद का व्यक्ति यह रिकॉर्ड बनाए रखने का हकदार है। मैंने शुक्स (साउथ अफ्रीका हेड कोच शुकरी कॉनराड) से बात की और उन्हें भी ऐसा ही लगा। मुझे लगता है कि अगर मुझे दोबारा यह मौका मिला तब भी मैं लारा का रिकॉर्ड नहीं तोड़ूंगा। लारा टेस्ट पारी में 400 रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह स्कोर 2004 में एंटीगुआ में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था।

हमने पिछले सीज़न में बेखौफ क्रिकेट खेला था - आयुष बडोनी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग सीज़न 2 के लिए मेन्स मेगा ऑक्शन का पहला दिन बेहद रोमांचक रहा, जहाँ कई बड़े नामों की एंट्री हुई, अनुभवी रणजी प्लेयर्स शामिल हुए और उभरते हुए युवा टैलेंट्स पर टीमों ने खुलकर दाँव लगाए। इस जबरदस्त ऑक्शन में जो टीम सबसे रणनीतिक और संतुलित नज़र आई, वह थी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़, जिन्होंने बेहद सोच-समझकर एक मजबूत स्क्वॉड खड़ा किया है। अब सबकी निगाहें सीज़न 2 की धमाकेदार शुरुआत पर टिकी हैं। पिछले सीज़न की रनर-अप टीम रही सुपरस्टार्ज़ इस बार ऑक्शन में पूरी रणनीति और स्पष्ट इरादे के साथ उतरी। उनका पहला बड़ा कदम था आयुष बडोनी को बरकरार रखना। आयुष पिछने सीज़न के वही दमदार कप्तान हैं, जिन्होंने टीम को फाइनल तक पहुँचाया था। चूँकि, ऑक्शन से पहले हर टीम को सिर्फ एक प्लेयर को बरकरार रखने की इजाज़त थी, ऐसे में सुपरस्टार्ज़ ने बड़ी ही सूझबूझ से अपने पिछले सीज़न के कोर प्लेयर्स को दोबारा खरीद लिया। इस बार सुपरस्टार्ज़ के लिए खेलने वाले वो प्लेयर्स, जो पिछली बार भी टीम का हिस्सा थे, उनके नाम हैं– आयुष बडोनी-टीम के कप्तान, दिग्वेश राठी, तेजस्वी दहिया, कुंवर भिदुरी, सुमित माथुर, सार्थक रे, विजन पांचाल।इस बार के फॉर्मेट के अनुसार प्रत्येक फ्रेंचाइज़ी को कम से कम 20 प्लेयर्स की टीम बनानी थी और इस बार लीग में दो नई मजबूत टीमें भी जुड़ गईं, जिससे मुकाबला पहले से कहीं ज्यादा कड़ा हो गया। फिर भी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ की टीम मैनेजमेंट ने पूरे दिन शांति और समझदारी के साथ फैसले लिए और ऑक्शन को बखूबी संभाला।

टीम के कप्तान आयुष बडोनी ने कहा, हमने पिछले सीज़न में बेखौफ क्रिकेट खेला था और इस बार भी उसी जोश और आत्मविश्वास के साथ खेलने की कोशिश करेंगे। इस बार हमारा लक्ष्य है कि ट्रॉफी सुपरस्टार्ज़ कैंप में ही आए। ऑक्शन का हिस्सा बनना एक अलग ही अनुभव है, यहाँ कई रणनीतियों पर काम होता है, बिडिंग का अपना रोमांच होता है और इसके नतीजे और संभावनाएँ बहुत कुछ सिखाते हैं।÷

व्यापार

घरेलू वेज थाली जून में 8 प्रतिशत सस्ती हुई आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने का असर

नई दिल्ली। भारत में एक घरेलू वेजिटेरियन थाली की कीमत जून में (सालाना आधार पर) 8 प्रतिशत घटकर 27.10 रुपए हो गई है। पिछले साल जून -2024 में वेज थाली की कीमत 29.40 रुपए थी। कैपिटल मार्केट कंपनी क्रिसिल ने अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी। क्रिसिल ने अपनी राइस रोटी रेट रिपोर्ट में बताया कि वेजिटेरियन थाली की कीमत मई की तुलना में जून में 3त्न बढ़ी है। मई में वेज थाली की कीमत 26.20 रुपए थी। वहीं, नॉन-वेज थाली की कीमत जून में सालाना आधार पर 6 प्रतिशत घटकर 54.80 रुपए हो गई है। पिछले साल जून-2024 में नॉन वेज थाली की कीमत 58 रुपए थी।

आलू, प्याज और टमाटर सस्ते होने से वेज थाली के दाम घटे

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, आलू, प्याज और टमाटर के दाम घटने के चलते वेज थाली की कॉस्ट में कमी हुई है। टमाटर की कीमत सालाना आधार पर 24 प्रतिशत घटकर 32 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। प्याज के दाम में 27 प्रतिशत और आलू के भाव में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस कारण वेज थाली की कीमत में गिरावट हुई है। वेज थाली की कॉस्ट में आलू और टमाटर की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है।

चिकन के प्राइस गिरने से नॉन वेज थाली की कीमत घटी

नॉन वेज थाली की कीमत में ये कमी ब्रॉयलर्स यानी चिकन के प्राइस में सालाना आधार पर 3त्न की गिरावट के चलते आई है। नॉन-वेज थाली की लागत में ब्रॉयलर की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है।

वहीं, सालाना आधार पर वेजिटेबल ऑयल की कीमत 19 प्रतिशत और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 6 प्रतिशत बढ़ी है, नहीं तो दोनों थाली और भी सस्ती हो सकती थी।.

अमेरिका ने जवाबी टैरिफ की समयसीमा 1 अगस्त तक बढ़ाई, निर्यातकों ने जताई राहत पर बरतनी होगी सतर्कता

नई दिल्ली। अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर दुनियाभर के देशों की चिंता को कुछ दिनों की राहत दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की समयसीमा को 1 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इस फैसले पर निर्यतकों ने कहा कि रेसिप्रोकल टैरिफ की समयसीमा बढ़ाना अमेरिका की अपनी व्यापारिक साझेदारों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने की इच्छा को दर्शाता है।

भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि यह कदम व्यापारिक वार्ता के लिए अवसर प्रदान करता है। इससे भारत को शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए और समय मिला है। उन्होंने कहा कि अगर भारत इस महीने के अंत तक अमेरिका के साथ कम से कम वस्तुओं पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) कर लेता है, तो भारत को अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है।

घरेलू उद्योग को कुछ दिनों की राहत मिली

एक अन्य निर्यातक ने कहा कि इस निर्णय से घरेलू उद्योग को राहत मिलेगी। भारत को अंतरिम व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बात करने के लिए 12 से 13 दिन का अतिरिक्त समय मिल गया है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञ विश्वजीत धर ने इसे भारत के लिए राहत भरा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिक्रिया भारत द्वारा कुछ मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाने के कारण आई है। फियो के अध्यक्ष और लुधियना स्थित इंजीनियरिंग निर्यात ने कहा कि हालांकि यह एक छोटी सी राहत है, फिर भी हम उम्मीद लगाए बैठे हैं।

भारत को नए बाजार तलाशने की जरूरत

मुंबई के निर्यातक और टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज (इंडिया) के संस्थापक शरद कुमार सराफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुत अप्रत्याशित हैं। भारतीय निर्यातकों को नए बाजार तलाशने चाहिए।

अदाणी पावर ने 600 मेगावाट की विदर्भ स्थित पावर कंपनी का किया अधिग्रहण, 4000 करोड़ रुपये में सौदा

नई दिल्ली। अदाणी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने 600 मेगावाट क्षमता वाली विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर लिमिटेड (वीआईपीएल) का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा किया। यह अधिग्रहण दिवाला प्रक्रिया के तहत 4,000 करोड़ रुपये में हुआ। एपीएल ने मंगलावर को यह जानकारी दी।

एपीएल ने एक बयान में कहा कि 18 जून ,2025 को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस अधिग्रहण योजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद 7 जुलाई को योजना को पूरी तरह लागू कर दिया गया।

एपीएल की परिचलान क्षमता 18,150 मेगावट हो गई

वीआईपीएल महाराष्ट्र के नागपुर जिले के बुटीबोरी में स्थित है और इसमें 2म300 मेगावाट के घरेलू कोयला-आधारित संयंत्र शामिल हैं। इसके अधिग्रहण के बाद अदाणी पावर की परिचलान क्षमता बढ़कर 18,150 मेगावट तक पहुंच गई है।

एपीएल का 2029-30 का लक्ष्य

एपीएल ने कहा कि वह 2029-30 तक अपनी क्षमता को 30,670 मेगावाट तक पहुंचाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। इसके तहत अडानी पावर देशभर में कई ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर काम कर रही है।

कंपनी कर रही है छह ब्राउनफील्ड परियोजनाओं का निर्माण

कंपनी वर्तमान में अपने छह ब्राउनफील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट्स (यूएससीटीपीपी) का निर्माण कर रही है, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 1,600 मेगावाट होगी।

ये संयंत्र सिंगरौली-महान (मध्य प्रदेश), रायपुर, रायगढ़, कोरबा (छत्तीसगढ़) और कवाई (राजस्थान) में स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में 1,600 मेगावाट की ग्रीनफील्ड यूएससीटीपीपी का भी निर्माण कर रही है। साथ ही, कंपनी कोरबा में 1,320 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट के निर्माण को भी पुनर्जीवित कर रहा है, जिसे इसने पहले अधिग्रहित किया था।

हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली। बैंकिंग और चुनिंदा आईटी शेयरों में हुई खरीदारी के साथ-साथ एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख से मंगलवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 270.01अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 491.36 अंकों की तेजी के साथ 83,812.31 का उच्चतम और 83,320.95 का न्यूनतम स्तर छुआ। इसमें 18 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 61.20 अंक या 0.24 प्रतिशत बढ़कर 25,522.50 अंक पर पहुंच गया।

सीमित दायरे में हुआ उतार-चढ़ाव

शेयर बाजार में अधिकांश समय सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन बंद होने से पहले के सत्र में खरीदारी का दौर शुरू हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक भारत-अमेरिका व्यापार पर निर्णायक प्रगति का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ के निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ा दिया है।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटरनल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख लाभ में रहे।हालांकि, टाइटन में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर भी पिछड़ गए।

जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी ने रेलवे जीएम के नाम स्टेशन मास्टर को दिया ज्ञापन

-स्टेशनों सहित ट्रेनों की सुविधाएं बढ़ाने की कि मांग

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ स्टेशन मास्टर अनूपपुर को रेलवे महाप्रबंधक (जीएम)दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के नाम सुविधा विस्तार को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रमुख रूप से मांग की गई की ट्रेन नंबर 11201/11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर का विस्तार अम्बिकापुर या अनूपपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन तक किया जाए एवं ट्रेन नंबर 22169/22170 रानी कमलापति-संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में ठहराव किया जाए।

उन्होंने अपने ज्ञापन में लेख किया है कि विगत 25 वर्षो के मांग के अनुरूप रेल प्रशासन द्वारा नागपुर-शहडोल के मध्य ट्रेन चलाये जाने का निर्णय लिया गया है,यह स्वागत योग्य कदम है।दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे अंतर्गत सी.आई.सी. सेक्शन का यह अंचल आदिवासी बाहुल्य पिछड़ा क्षेत्र है,द्रुतगामी ट्रेन सुविधाओं का अभाव है,साथ ही इस अंचल में मल्टी सुपर स्पलेशलिटी चिकित्सा सुविधाओं का भी अभाव है अंचल के नागरिको को उच्च स्तर की चिकित्सा हेतु नागपुर जाना पड़ता है,अंचल से कोई सीधी ट्रेन सुविधा नही होने से यहाँ के नागरिको को बिलासपुर या कटनी, जबलपुर होकर ट्रेन बदल कर नागपुर तक की यात्रा करनी पड़ती है,बार-बार ट्रेन बदलने से नागरिको को यात्रा में असुविधाओं का सामना करना पड़ता है,इस आदिवासी अंचल के नागरिको को बेहतर यात्री सुविधा प्रदान किये जाने के तहत शहडोल से नागपुर तक चलने वाले साप्ताहिक ट्रेन का विस्तार अनूपपुर या अम्बिकापुर तक करने से

सम्पूर्ण शहडोल संसदीय क्षेत्र सहित सरगुजा संभाग के दोनो संसदीय क्षेत्र सरगुजा एवं कोरबा संसदीय क्षेत्र के नागरिको को भी यात्री सुविधा का लाभ मिल सकेगा।इस संबंध में आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहते है लोकहित को ध्यान में रखकर ट्रेन नंबर 11201-11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर का विस्तार अम्बिकापुर,अनूपपुर तक करना आवश्यक है।

वहीं ट्रेन नंबर 22169/22170 रानी कमलापति- संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में ठहराव के साथ एवं तीन साधारण शयनयान बोगी उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने मांग की है कि अम्बिकापुर में पूर्व से स्वीकृत वाशिंग प्लान्ट का निर्माण कार्य अविलम्ब पारंभ कराया जाय। अम्बिकापुर से दुर्ग के मध्य पूर्व के समय से प्रस्तावित इन्टरसिटी एक्सप्रेस को अविलम्ब प्रारंभ कराया जाये। अम्बिकापुर से नागपुर के मध्य एक द्रुतगामी एक्सप्रेस ट्रेन नियमित रूप से चलायी जावे, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अम्बिकापुर से दुर्ग के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का एक अतिरिक्त रैक की व्यवस्था कर विस्तार नागपुर, इतवारी तक किया जाये। गोंदिया-बरौनी का विस्तार नागपुर,इतवारी तक किया जाय।अम्बिकापुर से जबलपुर के मध्य चल रही इन्टर सिटी एक्सप्रेस का विस्तार वया गोंदिया होकर नागपुर तक के लिए किया जाये।नागपुर से शहडोल के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार एक अतिरिक्त रैक की व्यवस्था के साथ अम्बिकापुर तक किया जाये।अम्बिकापुर से निजामुद्दीन के मध्य चल रही साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस को नियमित रूप से चलाया जाये।प्रस्तावित अम्बिकापुर बरवाडीह, अम्बिकापुर-रेणुकोट रेल लाईन का निर्माण कार्य बजट की स्वीकृति प्रदान करते हुए अविलम्ब प्रारंभकराया जाये।अनूपपुर में अमृत भारत योजन एवं गतिमान योजना के तहत रेल्वे स्टेशन के नवीनीकरण के कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के अन्दर एवं प्लेटफार्म क्रमांक 01 से 03- 04 को जोडने वाली नये प्रस्तावित एफ.ओ.बी.(लिफ्ट एवं रेम सहित) अविलम्ब निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाये,साथ ही निर्माणाधीन बी.के-61 रोड ओव्हरब्रिज का निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के अनुरूप आवश्यकतानुसार समय सीमा में शीघ्र पूर्ण कराया जाये, साथ ही अनूपपुर रेल्वे स्टेशन परिसर के बाहर सर्व सुविधायुक्त (पे एन यूज) सुलभ काम्पलेक्स का निर्माण यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक रूप से किया जाये एवं जन औषधि की दुकान स्टेशन परिसर के अन्दर स्थापित किया जाये एवं अनूपपुर के प्लेटफार्म क्रमांक -03 एवं 04 की ऊँचाई बढ़ायी जावे और प्लेटफार्म क्रमांक 03-04 के दोनो दिशाओं में प्रसाधन की व्यवस्था किया जाये।अनूपपुर जी.आर.पी.चौकी को थाने का दर्जा एवं प्रस्तावित अनूपपुर में शीघ्र अतिशीघ्र रेल्वे मजिस्ट्रेट की पदस्थापना किया जाये,साथ ही प्रस्तावित बंदे भारत ट्रेन को बिलासपुर से निजामुद्दीन के मध्य अविलम्ब प्रारंभ कराया जावे।प्रस्तावित बिलासपुर-मुम्बई अमृत भारत ट्रेन को बया बिलासपुर-अनूपपुर,कटनी,जबलपुर होकर मुम्बई के बीच चलाया जाये।अनूपपुर में प्लेटफार्म क्रमांक-05 का निर्माण अविलम्ब प्रारंभ करते हुए रेल्वे स्टेशन का नया इन्ट्री गेट एवं रेल्वे का टिकट काउन्टर शीघ्र बनवाया जाये।अनूपपुर रेल्वे स्टेशन में क्लॉक रूम की व्यवस्था अविलम्ब कराया जाये।अनूपपुर से अमलाई रेल्वे स्टेशन की दूरी 14 किलो मीटर है,अनूपपुर से अगलाई के मध्य मेड़ियारास में नया रेल्वे स्टेशन बनाये जाने का पूर्व में सर्वेक्षण हुआ था,उस अनुरूप मेड़ियारास में नया रेल्वे स्टेशन बनाया जाये।प्रस्तावित मेड़ियारास रेल्वे स्टेशन से बकान नदी लगा हुआ है,नदी से पानी की व्यवस्था कर प्रस्तावित स्टेशन में वाशिंग पिट का निर्माण किया जाये,क्योंकि अनूपपुर जंक्शन से कटनी,बिलासपुर,अम्बिकापुर,चिरमिर ी के मध्य में स्थित है,वाशिग पिट के निर्माण से विभिन्न दिशाओं में लोकल गाडियों का संचालन किया जा सकता है,जिससे यात्रियों को यात्रा में सुविधा प्राप्त होगी,साथ ही रामपुर-बटुरा कोयला खदान का साइडिंग जो अमलाई स्टेशन में प्रस्तावित है,को प्रस्तावित स्टेशन मेडियारास में बनाया जाये।मेडियारास प्रस्तावित स्टेशन से तकरीबन 20 गांव लगे हुए है,जिससे गांव के लागा को आवागमन में सुविधा उपलब्ध होगी।बिरसिहपुर पाली, नौरोजाबाद विरारानी देवी, उचेहरा माता की प्रसिद्ध च विख्यात मंदिर है चैत्र व क्वार माह के रामनवमी के अवसर पर बड़े आयोजन होते है,जिस तरह मेहर डोंगरगढ़ में अस्थायी रूप से गाडियों का ठहराव होता है,उसी तरह बिरसिहपुर व नौरोजाबाद में अंचल से गुजरने वाली सभी एक्सप्रेस गाडियों का ठहराव किया जाये।अंचल से गुजरने वाली सभी गाड़ियों का ठहराव जो कोरोनाकाल के समय बंद किया गया था,उसे यात्रियों के हित में अविलम्ब प्रारंभ कराया जाये।अनूपपुर रेल्वे स्टेशन के बाहर एवं स्टेशन परिसर के अन्दर सभी फुट ओव्हरब्रिज में ट्रेनों के आवागमन की जानकारी का ग्लो साइन बोर्ड लगाया जाये।बिलासपुर से चेन्नई,बिलासपुर से पटना,बिलासपुर से पुणे,बिलासपुर से एरनाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनो का विस्तार अम्बिकापुर,कटनी तक किया जाये। उपरोक्त सुविधाएँ अंचल के रेल सुविधाओं के विकास में एक आवश्यक कदम है,इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर अंचल को नई सौगातो से उपकृत करने की कृपा करें।

भारत माता की प्रतिमा का विधायक श्रीमंत पवार ने किया अनावरण

-चिकित्सीय सुविधाओं हेतु मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों का लोकार्पण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। नगर पालिक निगम निधि एवं विधायक निधि से निर्मित विभिन्न

विकास कार्यो सहित भारत माता की प्रतिमा का अनावरण एवं मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों का लोकार्पण देवास विधायक गायत्री राजे पवार के द्वारा महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापाति रवि जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल एवं वार्ड पार्षदों के साथ किया गया। विधायक श्रीमंत पवार द्वारा वार्ड 12 राजाराम नगर चौराहा पर 8 लाख की लागत से निर्मित भारत माता उद्यान का लोकार्पण एवं भारत माता की प्रतिमा का अनवारण पूर्व प्राधिकरण अध्यक्ष व वार्ड पार्षद राजेश यादव की उपस्थिती मे किया गया। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 13 मेंढ़की एवं वार्ड क्रमांक 16 रसूलपुर में 25–25 लाख कुल पचास लाख की लागत से वार्ड वासियों को प्राथमिक चिकित्सीय सुविधाओं हेतु निर्मित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों का भी विधायक द्वारा वार्ड पार्षदों के साथ लोकार्पित किया गया। विधायक द्वारा इन क्लीनिकों में पदस्थ डॉ. एवं स्टॉफ सहित अन्य चिकित्सीय सुविधाओं की जानकारी लेकर यहां पर निरीक्षण भी किया गया। विकास कार्यो की अन्य कडी मे वार्ड 18 पटेल नगर की सघन बस्ती मे रहवासियों की आवागमन की सुविधाओं हेतु 14 लाख की लागत से निर्मित किये जाने वाले मार्ग पर सिमेंटीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया साथ ही वार्ड 16 मे बिजाना, राजीव नगर एवं संजय नगर के विभिन्न स्थानों पर 15 लाख की लागत से फेंसिंग एवं पेवर्स ब्लाक लगाने एवं वार्ड 41 मे माली धर्मशाला मे 15 लाख की लागत जिसमे 5 लाख विधायक निधी के शामिल हैं शेड निर्माण का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद व निगम लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल, पार्षद राहूल दायमा, अजय तोमर, अंतिम अजय पडियार, पार्षद प्रतिनिधि संजय दायमा, गोपाल खत्री, निलेश वर्मा, संजय ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि

भरत चौधरी मंडल अध्यक्ष सुरेश सिलोदिया, शुभम चौहान, मधु शर्मा, भाजपा नेता रामेश्वर दायमा, जितेन्द्र जायसवाल, राजेश ठक्कर, कैलाश दशोरे, जुझारसिह दरबार आदि सहित बडी संख्या मे वार्डवासी उपस्थित रहे।

आयुष भूतड़ा देवास तहसील युवा इकाई के अध्यक्ष नियुक्त

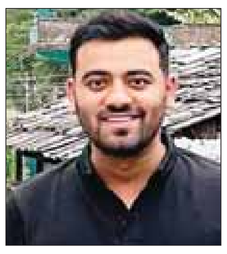

देवास। प्रदेश के सबसे विशाल सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन देवास युवा इकाई में देवास के युवा सामाजिक कार्यकर्ता आयुष भूतड़ा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है । आयुष भूतड़ा को वैश्य महासम्मेलन जिला युवा अध्यक्ष भानु अग्रवाल तथा युवा इकाई प्रदेश महामंत्री गौरव गुप्ता की अनुशंसा एवं प्रदेश महामंत्री अशोक सोमानी की सहमति से जिलाध्यक्ष गौरव खंडेलवाल द्वारा देवास नगर में वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई को मजबूती देने के लिए नियुक्त किया गया है। आयुष भूतड़ा की नियुक्ति पर सभी युवा साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी हैं तथा प्रदेश नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। यह जानकारी वैश्य महासम्मेलन के जिला मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता ने दी।

जनसुनवाई में आवेदकों ने कलेक्टर को बताई अपनी समस्याएं

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनसुनवाई में आए आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपने आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान

62 आवेदकों ने अपनी समस्याएं बताई। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, एसडीएम पुष्पराजगढ़ सुधाकर सिंह बघेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में वार्ड नं. 04 कोतमा की गुलाब तिवारी ने पट्टे की भूमि का नक्शा तरमीम कराने, ग्राम परसवार तहसील अनूपपुर के कौशल प्रसाद प्रजापति ने विद्युत ट्रांसफार्मर में सुधार किए जाने तथा अन्य आवेदकों ने भूमि का सीमांकन कराने, दिव्यांग पेंशन दिलाए जाने, समग्र आईडी में सुधार कराए जाने आदि के संबंध में आवेदन दिए।

हाथियों ने फिर प्रारंभ किया तांडव

अहिरगवां से घुनघुटी रेंज के पडरी में पहुंचे चार हाथी,रात में ग्रामीणों के मकान में की तोड़फोड़

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। चार हाथियों का समूह 7 दिनों तक डिंडोरी जिले में विचरण करने बाद मंगलवार की सुबह फिर से अनूपपुर जिले के अहिरगवां रेंज अंतर्गत डोंगरिया एवं टिटही जैतहरी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम करते देर रात तीन गांव ग्रामीणो के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखें अनाजों को खाते हुए बुधवार की सुबह अहिरगवां रेंज की सीमा से लगे उमरिया जिले के वन परिक्षेत्र घुनघुटी अंतर्गत पड़री बीट के जंगल में पहुंचे हैं।

चार हाथियों का समूह 14 जून को अूपपुर जिले छत्तीसगढ़ राज्य से प्रवेश करते हुए जैतहरी,अनूपपुर एवं राजेन्दगाम/पुष्पराजगढ़ तहसील के जंगलों में पहुंचकर दिन के समय ठहरने बाद देर शाम एवं रात होने पर ग्रामीणो के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाते हुए 02 जुलाई की सुबह डिंडोरी जिले के क्षेत्र में

प्रवेश का विचरण कर रहे थे, जो 07 जुलाई की सुबह एक बार फिर अनूपपुर जिले के अहिरगवां रेंज अंतर्गत डोंगरिया एवं टिटही जैतहरी बीट के जंगल में पहुंचकर दिनभर विश्राम करने बाद मंगलवार की देर रात को कुम्हनी गांव में सेमलाल पिता दलपत,एकम सिंह, सुनीता सिंह, सुखसेन सिंह ग्राम शीतलपानी निवासी कोदुआ, भगत, हीराबाई, मुन्नीबाई, दान सिंह, राममनोहर एवं गाम टिटही जैतहरी में रहने वाले उदय सिंह, नर्मदा सिंह, दलबीर सिंह के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया अचानक हाथी के ग्रामीण अंचलों में आ जाने से ग्रामीणों में दहशत की स्थिति बनी रही वहीं ग्रामीण घरों को छोड़ अपने परिवार के सदस्यों की जान बचाने हेतु दूसरे के घरों में शरण लेते हुए जाग जाग कर रात बिताई इस बीच वनविभाग का हाथी गस्ती दल हाथियों के विचरण पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सतर्क एवं सचेत किया,अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर पूर्व की तरह देर रात हुए नुकसान पर राजस्व विभाग की टीम के द्वारा स्थल पर पहुंचकर हाथियों के द्वारा किए गए नुकसान का सर्वेक्षण कर मुआवजा का प्रकरण तैयार किया। इस दौरान हाथी शीतल पानी, टिटही जैतहरी, कुम्हनी से ठुनगुनी, धुराधर से नीचे पहाड़ उतर कर हथपुरा की ओर जाकर उमरिया जिले के घुनघुटी वन परिक्षेत्र के पड़री बीट के जंगल में बुधवार की सुबह पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं।

खुशियों की दास्तां : कलेक्टर ने दृष्टिबाधित दिव्यांग को जनसुनवाई में प्रदान की सुगम्य केन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में सतवास निवासी दृष्टिबाधित दिव्यांग पवन चावरे को जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह द्वारा सुगम्य केन प्रदान किया गया। यह सहायक उपकरण दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए गतिशीलता और दिशा-निर्धारण में सहायता प्रदान करता है। सुगम्य केन एक सामान्य सफेद छड़ी के साथ एक उन्नत सेंसर (केन सेंसर) से युक्त है, जो बाधाओं का पता लगाकर उपयोगकर्ता को कंपन या ध्वनि के माध्यम से चेतावनी देता है। यह सेंसर 1.5 से 3 मीटर की दूरी तक संकेत देता है। इस छड़ी को बटन के माध्यम से आसानी से ऑन-ऑफ किया जा सकता है और इसे फोल्ड करके सुविधाजनक रूप से रखा जा सकता है। यह छड़ी एक बार चार्ज करने पर 8 से 10 घंटे तक कार्य करती है। बैटरी 20 प्रतिशत शेष रहने पर यह ध्वनि संकेत के माध्यम से चार्ज करने की सूचना देती है। इस पहल से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में स्वतंत्रता और सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

अनूपपुर स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी आयोजित, अधिकारियों ने लिया भाग

अनूपपुर। गत दिवस अनूपपुर स्टेशन के अधिकारी विश्राम गृह के प्रांगण में वरिष्ठ संरक्षा अधिकारी /बिलासपुर - साकेत रंजन के निर्देशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संरक्षा सलाहकार /बिलासपुर - एस .के. शर्मा,घनश्याम विश्कर्मा, चितरंजन कुमार, निर्भय जैन, घनश्याम राज, ओ.पी. पाण्डेय, राकेश कुमार संरक्षा सलाहकार /शहडोल, मुख्य स्टेशन प्रबंधक अनूपपुर - एम.पी. शर्मा, SSE/C&W/ अनूपपुर- वि. के. सैनी तथा रेलवे के विभिन्न विभागों के लगभग 105 स्टॉफ ने इस संरक्षा संगोष्ठी में भाग लिए। इस संगोष्ठी में रेल कर्मचारियों अपनी ड्यूटी के दौरान संरक्षा के प्रति सजग रहने, दुर्घटना के समय रेल कर्मचारी की ड्यूटी (चाहे वे ड्यूटी मे हो या रेल से यात्रा कर रहे हो), इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मानसून कालीन पेट्रोलिंग के दौरान रेलवे ट्रैक पर पानी आ जाने, रेलवे ट्रैक धंस जाने पर पेट्रोलमैन की ड्यूटी तथा परिचालन विभाग के द्वारा शटिंग के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां तथा BPAC फेल हो जाने पर दोनों तरफ के स्टेशन मास्टर को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने के बारे मे विस्तृत रूप से बतलाया गया एवं फ्लैट टायर, हॉट एक्सल की सूचना मिलने पर स्टेशन मास्टर के कर्तृतव्य के बारे मे बतलाया गया।

रपटे या पुल, पुलिया पर बाढ़ का पानी हो तो पार न करें: कलेक्टर

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा है कि वर्षा के दौरान सड़क पर या किसी पुल-पुलिया में बाढ़ का पानी तेजी से आ रहा हो, तो नागरिक उसमें आने-जाने से बचें। जोखिम पूर्ण यात्रा करने से बचे। सजग रहें और सावधानी बरतें। उन्होंने कहा है कि ऐसे नाले, रपटे, छोटे-बड़े पुल-पुलिया जहां बारिश का जल तेजी से बढ़ता है और दुर्घटना की आशंका रहती है, वहां पर भी सुरक्षा की अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं। वर्षा के चलते किसी भी प्रकार के जान-माल की नुकसानी न होने पाए, हम सबका यही प्रयास होना चाहिए। कलेक्टर ने स्कूल, कॉलेज, कोचिंग जाने वाले विद्यार्थियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग जाते समय बेहद सावधानी बरतें। यदि कहीं भी पानी का भराव या पुल-पुलिया के पार पानी आता दिखाई दे तो वहां से आवागमन न करें।

`सैयारा´ को लेकर नए कलाकारों के साथ फिल्म बनाने का ख्याल छोड़ दिया था, क्योंकि मुझे ऐसा टैलेंट ही नहीं मिल रहा था: मोहित सूरी

मुंबई। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय बाद 'सैयारा' एक ऐसी फिल्म बन गई है, जिसने डेब्यू करने वाले कलाकारों के साथ जबरदस्त चर्चा बटोरी है। आज यशराज फिल्म्स ने सैयारा का ट्रेलर जारी किया और इंटरनेट पर तुरंत इसका खुमार छा गया।

फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी ने खुलासा किया है कि उन्हें सैयारा को लेकर दर्शकों से मिल रहे प्यार से बहुत खुशी और विनम्रता का अनुभव हो रहा है, क्योंकि एक समय ऐसा भी था, जब उन्होंने नए कलाकारों के साथ सैयारा बनाने का विचार ही छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें ऐसे डेब्यू कलाकार नहीं मिल रहे थे जिनमें अभिनय की क्षमता हो। लेकिन, जब उन्हें अहान पांडे और अनीत पड्डा मिले, तब उन्हें विश्वास हुआ कि ये दोनों उनके विज़न पर खरे उतर सकते हैं।

मोहित कहते हैं, 'यदि मुझे अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे काबिल कलाकार नहीं मिले होते, तो मैं 'सैयारा' बनाता ही नहीं। मैं ईमानदारी से कह रहा हूं कि मैं किसी और प्रोजेक्ट पर काम करने का सोच रहा था, तभी मेरी मुलाकात यशराज फिल्म्स से हुई जो एक युवा प्रेम कहानी की तलाश में थे और अहान व अनीत को एक फिल्म के लिए तैयार कर रहे थे।'

सैयारा का ट्रेलर यहाँ देखें: https://youtu.be/~r-tTzIN®vg?si=DMcFvG{B|XNl~aU|

वे आगे कहते हैं, 'जब आप नए कलाकारों के साथ प्रेम कहानी बनाते हैं, तो जरूरी है कि उनमें वह अभिनय क्षमता हो, जो कहानी की भावनात्मक गहराई को सही तरीके से पेश कर सके। कोई भी नहीं उम्मीद करता कि डेब्यूटेंट्स रणबीर कपूर या आलिया भट्ट जैसी परिपक्वता दिखाएँ, लेकिन उन्हें स्क्रीन पर अपना प्रभाव दिखाना आना चाहिए। मुझे शुरुआत में ऐसे डेब्यू कलाकार नहीं मिल रहे थे, जिनमें वह मासूमियत और गहराई हो। इसलिए मैंने स्क्रिप्ट को स्टार-फेस के साथ बनाने का विचार कर लिया था।'

मोहित आगे बताते हैं, 'मैंने स्क्रिप्ट को कमर्शियल चेहरों के साथ जोड़ने का निर्णय ले लिया था। लेकिन, इस दौरान स्क्रिप्ट पर काम करने में समय लग गया, और मेरी मुलाकात यशराज फिल्म्स से हुई। जब मैंने अहान और अनीत के ऑडिशन देखे, तो मैंने उनके साथ समय बिताया, ताकि उनकी अभिनय, इंटेलेक्चुअल और इमोशनल डेप्थ को परख सकूँ। मैं हैरान था कि ये दो नए चेहरे कितने समर्पण और अभिनय क्षमता के साथ तैयार हैं। यह आज के समय में दुर्लभ है, और यह मेरे लिए बहुत रिफ्रेशिंग अनुभव है।'

मोहित कहते हैं, 'मुझे खुशी है कि मुझे ये दोनों कलाकार मिले, क्योंकि मैं यह फिल्म उसी तरह बना रहा हूँ, जैसी यह बनने के लिए लिखी गई थी।'

'सैयारा', यशराज फिल्म्स और मोहित सूरी की पहली फिल्म है, दोनों ही समय से परे प्रेम कहानियाँ रचने के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म ने अब तक फहीम-अर्सलान का टाइटल ट्रैक सैयारा, जुबिन नौटियाल का बर्बाद, विशाल मिश्रा का तुम हो तो, सचेत-परंपरा का हमसफर और अरिजीत सिंह और मिथुन का धुन जैसे चार्टबस्टर गानों के साथ वर्ष का सर्वश्रेष्ठ एल्बम दे दिया है।

यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी, जो फिल्म के निर्माता भी हैं, कहते हैं, 'वाईआरएफ में, हमारे पास ऐसी प्रेम कहानियाँ बनाने की विरासत है, जो लोगों के दिलों में वर्षों तक बसी रहती हैं। मोहित सूरी के साथ हमारा यह सहयोग बहुत स्वाभाविक था, क्योंकि वह भी इसी शैली को उतना ही पसंद करते हैं जितना हम। हम एक ऐसी कहानी कहना चाहते थे, जो आज के युवाओं की भावनाओं, समर्पण और गहराई को दर्शाए।'

अक्षय आगे कहते हैं, 'यह एक प्रेम कहानी है, जो मूलतः वाईआरएफ स्टाइल की है, लेकिन उसमें मोहित सूरी के 20 सालों से चले आ रहे इंटेंस रोमांस की छाप भी है। लंबे समय बाद डेब्यूटेंट्स के साथ ऐसी कहानी बनी है, और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को यह नई ताजगी देगी।'

सैयारा के साथ अहान पांडे वाईआरएफ के नए हीरो के रूप में लॉन्च हो रहे हैं। वहीं, अनीत पड्डा, जिन्होंने बिग गर्ल्स डोंट क्राई वेब सीरीज़ से दर्शकों का दिल जीता था, वाईआरएफ की अगली नायिका के रूप में पेश की गई हैं।

'सैयारा' 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

डम्पर चालक ने मोटरसाईकिल को टक्कर मारी, पत्नी की मौत, पति घायल

गुस्साए लोगों ने एनएच-44 हाईवे पर किया चक्काजाम

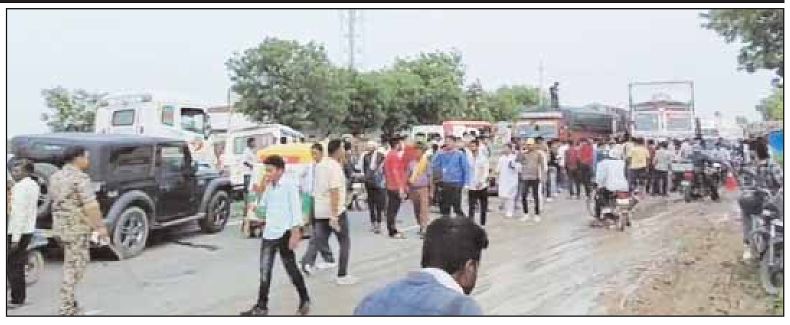

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एनएच-44 हाईवे पर मंगलवार की शाम करीब साढ़े चार बजे गंगापुर हनुमान मंदिर के पास एक बेकाबू डंपर ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मारी। हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पति जख्मी हो गया। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़ ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। जिसकी वजह से हाईवे पर एक लेन का यातायात करीब दो घंटे अवरुद्ध रहा।

मिली जानकारी के मुताबिक मूलतः पोरसा क्षेत्र के मानधाता का पुरा निवासी यदुवीर सिंह तोमर (59) बीते कुछ सालों से अपने परिवार के साथ मुरैना शहर के रामनगर इलाके में रह रहे है। सोमवार को यदुवीर अपनी पत्नी कुसुमा देवी (56) के साथ यूपी के आगरा जिले की सैंया तहसील के अंतर्गत रहने वाली अपनी बहन के घर गए थे। मंगलवार को दोनों यदुवीर और कुसुमा बाइक पर सवार होकर सैंया से मुरैना आ रहे थे। इसी दौरान जब वे एनएच-44 हाईवे पर गंगापुर हनुमान मंदिर के पास से गुजर रहे थे। पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार कुसुमा देवी की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि यदुवीर जख्मी हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने हाईवे को जाम कर दिया। सूचना मिलने के बाद सिविल लाईन थाना प्रभारी निरीक्षक दर्शन शुक्ला फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गुस्साए लोगों को समझा-बुझाकर चक्काजाम को खुलवाया जा सका। मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध नहीं किया था।

कैलारस एवं पहाड़गढ़ में रोजगार मेले का आयोजन आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासन के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव के मार्गदर्शन में रोजगार मेले का आयोजन 08 जुलाई से 11 जुलाई तक अलग-अलग विकासखण्डों में निर्धारित किया गया है। यह रोजगार मेला प्रातः 10 से सायं 04 बजे तक आयोजित किये जायेंगे।

जिनमें कैलारस और पहाड़गढ़ का रोजगार मेला जनपद पंचायत कैलारस के हॉल में 09 जुलाई को सुबह 10 से सायं 04 बजे आयोजित होगा। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड प्रबंधक सुरजीत सिंह चौहान मोबाइल नंबर 9349901364 और किशोरीलाल नंबर 6232045474 पर संपर्क किया जा सकता है।

ईंटभट्टा मजदूर से 15 हजार व मोबाइल लूट ले गए चार अज्ञात युवक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नैपरी कैलारस में ईंटभट्टा पर मजदूरी करने वाले एक युवक की मारपीट कर चार अज्ञात बदमाश 15 हजार रूपये नकदी समेत मोबाइल फोन लूटकर ले गए। घटना सोमवार की देर शाम को बैरियर क्षेत्र में बस स्टैंड के पास होना बताई जा रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक उत्तरप्रदेश के बांदा जिले का रहने वाला लालू जाटव 18 पुत्र अरचतिया जाटव कैलारस के नैपरी में स्थित कान्हा ईंटभट्टा पर मजदूरी का काम करता है। बीते कुछ दिनों से लालू की तबियत खराब चल रही थी। जिसकी वजह से वो छुट्टी लेकर अपने घर जाने को निकला था। इसी दौरान जब लालू बांदा जाने के लिए मुरैना के बैरियर क्षेत्र पहुंचा था। बस के आने से पहले लालू खाना खाने के लिए होटल पर चला गया था। खाना खाने के बाद जब वो बस स्टैंड की ओर जा रहा था। तभी 4 अज्ञात बदमाशों ने उसे घेर लिया और मारपीट करने के बाद उसकी जेब में रखे 15 हजार रूपये नकदी सहित मोबाइल फोन को छीनकर ले गए। पीड़ित मजदूर लालू ने कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दे दी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं कीँ थी।

बलराम कुशवाह का होगा हर्निया का इलाज

जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई में 125 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11 से 1 बजे तक जनसुनवाई करने के निर्देश हैं। जनसुनवाई के तहत जिला मुख्यालय मुरैना पर कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलेश कुमार भार्गव ने जनसुनवाई की। 08 जुलाई को जनसुनवाई में कुल 125 आवेदन प्राप्त हुये। जिनमें से 1 आवेदन ऐसा पाया गया जिसका समाधान टीएल बैठक में ही संभव था। उसे ई-गवर्नेंस के माध्यम से उत्तरा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये।

जनुसनवाई के दौरान विवेकानंद कॉलोनी मुरैना निवासी बलराम पुत्र छोटे लाल कुशवाह ने बीपीएल कार्ड बनाने का आवदेन प्रस्तुत किया एवं बताया कि उन्हें हर्निया की शिकायत है। जिला सीईओ कमलेश कुमार भार्गव उनके आवेदन को गंभीरता से लिया एवं इलाज कराने के लिये तत्काल सिविल सर्जन डॉ. गजेन्द्र सिंह तोमर ने निर्देश दिये। इसके अलावा निटहरा संकुल के सेवानिवृत्त सहायक शिक्षक अशोक कुमार शर्मा ने एक वेतन वृद्धि नहीं लगाई जाने का आवेदन दिया।इस पर सीईओ ने तत्काल जिला शिक्षाधिकारी को समक्ष में अवगत कराया एवं कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न, बीपीएल, सामाजिक न्याय, दिव्यांगता, श्रम, उद्योग, वन, नगरनिगम के अलावा नगरीय निकाय के अंतर्गत साफ-सफाई, अतिक्रमण संबंधी आवेदन प्राप्त हुये उनको बारी-बारी से सुना गया और निराकरण के लिये आश्वस्त किया। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद सहित संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम मुरैना, तहसीलदार एवं समस्त जिलाधिकारी उपस्थित थे।

हाईवे पर ट्रेक्टर-ट्रॉली ने राहगीर को टक्कर मारी, मौके पर मौत

सिविल लाईन क्षेत्र में गुप्ता रिफाइनरी के सामने हादसा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एनएच-44 हाईवे पर रोड क्रॉस कर रहे एक युवक को तेज रफ्तार ट्रेक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा सिविल लाईन थाना क्षेत्र में गुप्ता रिफाइनरी के सामने मंगलवार की दोपहर हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक हिंगौनाकलां गांव निवासी सिरनाम सिंह कुशवाह 40 पुत्र पहाड़ सिंह कुशवाह मंगलवार की दोपहर एनएच-44 हाईवे पर गुप्ता रिफाइनरी के सामने रोड क्रॉस कर रहा था। तभी मुरैना की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेक्टर-ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। जख्मी हालत में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी।

एक दर्जन छात्रों ने अकेले छात्र को बुरी तरह पीटा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कोचिंग पढ़ने के बाद घर जा रहे 12 वीं कक्षा के एक छात्र की आधा दर्जन से अधिक युवकों ने घेरकर लात-घूंसों से मारपीट कर डाली। जिससे छात्र को चोटें आईं है। घटना मंगलवार की सुबह शहर के जीवाजीगंज क्षेत्र में प्यारा होटल के पास हुई।

मिली जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के गणेशपुरा इलाके की चौबे वाली गली में रहने वाला 12 वीं कक्षा का छात्र संस्कार डण्डौतिया 16 पुत्र कुलदीप डण्डौतिया मंगलवार की सुबह जीवाजीगंज में अरुण सर की कोचिंग पर केमिस्ट्री की क्लास लेने के बाद घर लौट रहा था। इसी दौरान प्यारा होटल के पास आधा दर्जन से अधिक युवकों ने उसे घेर लिया और गालियां देते हुए लात-घूंसों से मारपीट कर डाली। मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप करने पर युवक एक बाइक को वहां छोड़कर भाग निकले। जिसे कोतवाली पुलिस ने जब्त कर लिया है। हमले में छात्र संस्कार को चोटें आईं है। समाचार लिखे जाने तक कोतवाली पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी।

बस स्टैण्ड परिसर को इंतजार है सफाई का, लंबे अर्से से नहीं हुई सफाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नये बस स्टैण्ड परिसर में बस अड्डे के साथ-साथ पूरा बाजार भी है। यहां रेडीमेड कपड़ों से लेकर किराना, अनाज और ज़रूरत के सामान की सभी दुकानें हैं। सब्जी मंडी भी इसके भीतर लगती है, लेकिन यहां आने वाले लोग बरसात के इस मौसम में फैली गंदगी को लेकर परेशान हैं। बस स्टैण्ड परिसर में ही तमाम बस ऑपरेटरों की दुकानें भी हैं। बस ऑपरेटर भी इस बात से परेशान हैं कि जिस बस अड्डे से बसों का संचालन करते हैं उसकी साफ-सफाई और रखरखाव के लिए हर साल टैक्स देते हैं, लेकिन न तो नगर निगम यहां साफ-सफाई पर ध्यान देता है और न ही प्रशासन। इस समय हालात यह हैं कि बस स्टैण्ड परिसर के भीतर जगह-जगह गंदगी पसरी पड़ी है। कहीं पानी भरा है तो कहीं कचरा। जबकि इसी बस स्टैण्ड से ग्वालियर, भिण्ड, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ से लेकर अम्बाह, पोरसा धौलपुर, आगरा के लिए भी बसें चलती हैं। लोकल ग्रामीण अंचल की बसें भी यहीं से जाती हैं इसलिए बस स्टैण्ड परिसर में हजारों लोगों का हर रोज आना-जाना होता है। कई ग्रामीण तो ऐसे हैं जो बस में बैठकर बस स्टैण्ड तक आते हैं और यहीं से सामान खरीदकर घर वापस लौट जाते हैं, क्योंकि अब बस स्टैण्ड परिसर पूरा बाजार बन चुका है। लेकिन यहां साफ-सफाई, कचरे से भरे पड़े नाले-नालियों का सफाई का काम तीन माह से नहीं हुआ है। जबकि बरसात का मौसम शुरू होने से पहले नाले-नालियों का सफाई का काम बहुत जरूरी होता है। यहां नियमित रूप से झाड़ू लगाने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। यदि आप बस स्टैण्ड परिसर में जायेंगे तो लगेगा कि यहां बरसों से सफाई नहीं हुई है। दुकानदार, बस ऑपरेटर या तो स्वयं सफाई कराते हैं या फिर आसपास फैली गंदगी में ही रहने को मजबूर है।

गैपरा धाम पर कल मनेगा गुरू पूर्णिमा महोत्सव, तैयारियां अंतिम चरण में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गैपरा धाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव भक्ति भाव श्रद्धापूर्वक मनाया जाएगा। यहां पर गुरू के चरणों में शिष्यगण नतमस्तक होंगे। धर्म आध्यात्मिक और संस्कृति के वैभव की दृष्टि से जगतगुरु कहे जाने वाले भारतवर्ष में गुरु पूर्णिमा पर्व एक महोत्सव के रूप में आस्था उल्लास के साथ मनाया जाता है। पुण्य भूमि भारत में बरसों से चली आ रही गुरु-शिष्य परंपरा को और अधिक प्रगाढ़ बनाने वाले इस पर्व पर जहां समस्त गुरु स्थलों पर शिष्यों एवं अनुयायियों पूर्व सुनिश्चित है, वहीं गुरुवार 10 जुलाई को सम्पन्न होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर निकटवर्ती गैपरा धाम स्फटिक शिवलिंग आश्रम में विविध आयोजन जैसे- प्रातःकाल शिवलिंग पर अभिषेक, गुरुचरण वंदना, गुरु पूजन के बाद दोपहर में प्रसादी का वितरण भी होगा। इस आश्रम में महामंडलेश्वर स्वामी श्री पंचमानंद जी महाराज अपने शिष्यों को आशीर्वाद देंगे तो वहीं शिष्यगण महाराज जी की चरण वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर इसी क्रम में भक्तों की भीड़ कटीवरी दरबार हनुमान जी मंदिर, नर्सरी वाले हनुमान जी मंदिर, बावड़ी वाले हनुमान जी मंदिर, सदर बाजार में स्थित शिव हनुमान मंदिर, एमएस रोड स्थित पंचमुखी हनुमान जी दरबार सहित अन्य सिद्ध स्थान पर भी भक्तगण अपने-अपने गुरुओं की चरण वंदना पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

बेरोजगार युवा एवं युवतियों को मिला कम्पनियों में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

रोजगार मेले में 54 युवाओं का हुआ चयन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अम्बाह व पोरसा का संयुक्त रोजगार मेले का आयोजन कार्यालय प्रेरणा आजीविका संकुल स्तरीय संगठन बड़फरा, पुरानी तहसील चम्बल कॉलोनी पोरसा रोड अम्बाह में मंगलवार किया गया। रोजगार मेले में बेरोजगार युवा एवं युवतियों को प्रायवेट लिमिटेड कम्पनियों में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर मिला है। रोजगार मेले में युवक एवं युवतियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रोजगार मेले में 150 युवाओं का पंजीयन किया गया, जिनमें से 54 युवाओं का चयन हुआ है।

यह रोजगार मेला कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कमलेश कुमार भार्गव के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अम्बाह देवेन्द्र जैन, जिला परियोजना प्रबंधक दिनेश सिंह तोमर सहित विकासखण्ड प्रबंधक दिवाकर शर्मा व सहायक विकासखण्ड प्रबंधक दुष्यंत शाक्य उपस्थित थे।

रोजगार मेले में एसआईएस सिक्योरिटी प्रायवेट लिमिटेड के भर्ती अधिकारी सोनू शर्मा, लाइफ इंश्योरेंश कंपनी इंडिया की भर्ती अधिकारी श्रीमती कीर्ति मीना, आनन्द सिंह, स्वप्निल सक्सैना, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ग्रेटर नोइडा से भर्ती अधिकारी विकास ईश्वर और एमआरएफ टायर प्रायवेट लिमिटेड के भर्ती अधिकारी अमन शर्मा ने कंपनियों के बारे में विभिन्न जानकारी प्रदान की। जिसमें उम्र, योग्यता और मानदेय, वेतन वृद्धि पर चर्चा की। प्रशिक्षण उपरांत रोजगार में प्लेसमेंट किया जायेगा।

निःशुल्क घरेलू अगरबत्ती एवं धूपबत्ती प्रशिक्षण सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सेन्ट आरसेटी मुरैना द्वारा संचालित ग्रामीण क्षेत्र की गरीब बेरोजगार महिलाओं को 12 दिवसीय 26 जून से 07 जुलाई 2025 तक निःशुल्क घरेलू अगरबत्ती एवं धूपबत्ती का प्रशिक्षण दिया गया था, जिसका समापन सोमवार को हुआ।

सभी प्रशिक्षणार्थियों को बैंक से संबंधित जानकारी दी गयी एवं स्व-रोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। जिससे सभी महिलाएं प्रशिक्षण पश्चात् स्वावलम्बी बनकर आत्मनिर्भर हो सकें। यह प्रशिक्षण 30 महिलाओं ने प्राप्त किया, जो ग्राम चक का पुरा से थीं। इस अवसर पर असेसर एके शर्मा, निदेशक भगवान सिंह, फैकल्टी सचिन बंसल, गेस्ट फैकल्टी श्रीमती पूजा शर्मा उपस्थित थीं।

चम्बल भवन में जनसुनवाई में 7 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री के निर्देशन में संयुक्त आयुक्त विकास भगवान सिंह जाटव ने 08 जुलाई मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 7 आवेदकों की समस्याओं को सुना।

जनसुनवाई के दौरान कुछ शिकायतें ऐसी पाई गई, जिनका निराकरण तत्काल संभव नहीं था। जिसके लिये संयुक्त आयुक्त विकास जाटव ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, भूमि विवाद, नामांतरण, बटवारा, अतिक्रमण से संबंधित शिकायतें पाई गईं थीं।

जल भराव के निराकरण हेतु सीएमओ को दिया ज्ञापन

मुरैना/जौरा। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 18 में स्थित आदर्श कॉलोनी में बरसात का जल भराव होने से यहां रहने वाले नागरिक परेशान हैं। जल भराव के निराकरण के लिए सीएमओ को ज्ञापन भी दिया है। स्थानीय निवासी युवा समाजसेवी अरविंद श्रीवास्तव एवं रहवासियों द्वारा दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि आदर्श कॉलोनी वार्ड 18 में बरसात का पानी चारों तरफ भर गया है, जिससे यहां रहने वाले रहवासी अपने -अपने घरों से निकलने में परेशान हो रहे हैं, वहीं कीचड़ दलदल से भी परेशानी हो रही है। बरसात का गंदा पानी भरा रहने से मच्छर भी पनप रहे हैं, जिससे कि बीमारियां फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है। बरसात के इस जल भराव का सही निकास नहीं होने से उक्त समस्या का निराकरण नहीं होने से यहां रहने वाले सभी नागरिक परेशान हो रहे हैं। अरविंद श्रीवास्तव, अरबाज खान, अर्जुन, रिंकू, भूपेश, बंटी, महेश आदि रहवासियों ने सीएमओ वीरेंद्र रावत को ज्ञापन देकर जल भराव के निराकरण की भी मांग

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में काउंसलिंग की आखिरी तारीख 13 अगस्त

-रिक्त सीटों पर काउंसलिंग प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को कार्यालयीन समय में होगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय मुरैना में अनुसूचित जाति के इच्छुक अभ्यर्थी एवं अन्य सभी वर्ग के इच्छुक अभ्यर्थी कक्षा 10 वीं के अंकों के आधार पर इलेक्ट्रिकल इंजी., मैकेनिकल इंजी., कंप्यूटरसाइंस इंजी. एवं इलेक्ट्रॉनिक्स टेलीकम्युनिकेशन इंजी. के त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एमपी ऑनलाइन क्योस्क www.dte.mponline.gov.in के माध्यम से संस्था स्तर की काउंसलिंग सीएलसी हेतु पंजीयन/रजिस्ट्रेशन के उपरान्त महाविद्यालय में शेष रिक्त सीटों पर संस्था स्तर की काउंसलिंग सीएलसी प्रत्येक सप्ताह के सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्रवेश पा सकते हैं। संस्था स्तर की काउंसलिंग सीएलसी हेतु वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति एससी तथा अन्य सभी वर्ग के लिए 13 अगस्त 2025 तक होगी। संस्था स्तर की काउंसलिंग सीएलसी की आखिरी तारीख 13 अगस्त 2025 है।

कॉलेज के प्राचार्य मनोज कुमार सक्सेना द्वारा बताया गया है कि शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मुरैना के अंतिम वर्ष के शत-प्रतिशत छात्रों का विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनी में चयन अध्ययन के दौरान हो चुका है। उल्लेखनीय है कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति एससी के छात्रों को संस्था में निःशुल्क छात्रावास, निःशुल्क भोजन, निःशुल्क स्टेशनरी, पुस्तकें, छात्रवृति 1000 रूपये प्रति माह प्रति छात्र आदि विशेष सुविधाएँ प्रदाय की जाती है। प्रवेश से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए 9479752220, 9926294054, 8602516608, 9009869700, 9098718415 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी अनुविभाग अम्बाह

प्र.क्र. 0048/ 2024-25 / अ.मा.

1. भागवती बेवा बिजय सिंह
2. गीता पुत्री बिजय सिंह
3. मन्जू पुत्री बिजय सिंह समस्त जाति सखवार निवासीगण ग्राम अधन्नपुर तहसील अम्बाह जिला मुरैना म.प्र.

----अपीलान्ट

बनाम

1. जानकी बेवा बारेलाल
2. भोजवीर पुत्र बारेलाल
3. रवीशंकर पुत्र बारेलाल
4. निरोत्तम सिंह पुत्र बारेलाल
5. कमल सिंह पुत्र बारेलाल
6. मु. लीला बेवा शिवसिंह
7. हरेन्द्र पुत्र शिवसिंह
8. देवेन्द्र पुत्र शिवसिंह
   समस्त जाति सखवार
9. चन्द्रभान पुत्र टुण्डाराम जाति राठौर निवासीगण ग्राम अधन्नपुर तहसील अम्बाह

---रेस्पोडेन्ट

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अपीलान्ट भागवती बेवा बिजय सिंह, गीता पुत्री बिजय सिंह, मन्जू पुत्री बिजय सिंह समस्त जाति सखबार निवासीगण ग्राम अधन्नपुर तहसील अम्बाह जिला मुरैना म.प्र. द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 44 के अन्तर्गत अपील मौजा अधन्नपुर तहसील अम्बाह के खसरा क्रमांक 583 रकवा 0.387 हे., 617 रकवा 0.460 हे., 863 मिन01 रकवा 0.350 हे., 868 रकवा 0.372 हे., 865 रकवा 0.366, 700/2 रकवा 0.136 हे. 886 रकवा 0.346 हे. कुल किता 7 कुल रकवा 2.350 हे. जिसमें अपीलान्ट 1/3 की हिस्सेदार हो भूमि स्वामी है एवं सर्वे क्रमांक 866 रकवा 0.366 हे. में आवेदिका 1/9 भाग की भूमि स्वामी है। उक्त प्रकरण के प्रचलन के दौरान रेस्पोडेन्ट क्रमांक 01, 02, 03, 04, 05 उपस्थित हो चुके हैं। रेस्पोडेन्ट क्रमांक 06, 07, 08, 09 बार-बार तामील जारी करने के उपरांत प्रकरण में उपस्थित नहीं हुये हैं तथा प्रकरण में आज दिनांक तक उपस्थित नहीं।

अतः रेस्पोडेन्ट क्रमांक 06, 07, 08, 09 को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में नियत दिनाक- 31.07.2025 को आप स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम उपस्थित हो सकते हैं। अनुपस्थित की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

(रामनिवास सिंह सिकरवार)
अनुविभागीय अधिकारी
अनुविभाग- अम्बाह

मैंने हमेशा सेवाभाव की भावना के साथ कार्य करने का प्रयास किया: मंगुभाई पटेल

कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने पर राजभवन में हुआ कार्यक्रम

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि निरंतर सीखने और सेवा भाव के साथ कार्य करने का प्रयास विगत चार वर्षों में किया है। आगे भी इसी भाव और लक्ष्य के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि अपने सामर्थ्य अनुसार राष्ट्र की चुनौतियों को दूर करने के प्रयासों में ही जीवन की सार्थकता है। समाज में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा, अज्ञानता आदि की चुनौतियों को दूर करने के लिए अधिक से अधिक योगदान का प्रयास प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात राजभवन में उनके चार वर्षों के कार्यकाल की पूर्णता पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के ऑडिटोरियम सांदीपनि में किया गया था। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े सहित राजभवन के समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम में ÷राजभवन पचमढ़ी÷ पुस्तक लोकार्पित की। जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार लघु फिल्म ÷संकल्प सिद्ध कर्म सिद्ध राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल÷ का प्रदर्शन भी किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सृष्टि की कृतियों में एकमात्र मानव ही ऐसी रचना है जिसको वाणी, बुद्धि सहित समस्त शक्तियां मिली है। किसी और को यह सब एक साथ नहीं मिली है। यह सभी शक्तियां मानव की सेवा के लिए है। उन्होंने कहा कि स्वार्थी जीवन निरर्थक है। उन्होंने एक भव्य भवन वाले विश्वविद्यालय के भ्रमण प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में सर्वत्र, समृद्धता दिखाई दे रही थी। पार्किंग में दोपहिया वाहनों से कहीं अधिक फोर व्हीलर खड़े थे। इस शान-औ-शौकत में निकट ही गरीबों की बस्ती थी, जो अलग-थलग दिख रही थी। श्री पटेल ने कहा कि वह समृद्धता निरर्थक है, जो वंचितों, गरीबों की अनदेखी करे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि उनके परिश्रम का एकमात्र लक्ष्य जरूरतमंद, वंचितों की मदद करना है। उनके प्रयासों से जब उनकी मदद होती है वह उनमें नया उत्साह और अथक परिश्रम की उर्जा प्रदान करती है। उन्होंने विकसित भारत यात्रा के प्रथम कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि कार्यक्रम में उन्हें दिखा कि आगे आने वाले ही लाभ लेने पहुंच रहे हैं जबकि योजना की मंशा लाभ से वंचितों को लाभान्वित करना था। प्रशासन के समक्ष वस्तुस्थिति को बताकर लाभ से छूट गए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं के लाभ देने में प्राथमिकता सुनिश्चित की। इसी लिए शेष जिलों में 43 दिनों में 21 जिलों की यात्रा की थी। उन्होंने इस प्रसंग के संदर्भ में बताया कि योजना के पात्र वंचितों को लाभान्वित कराने की मंशा से ही व्यापक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वंचितों लाभार्थियों के चेहरे पर लाभान्वित होने की खुशी को देखना ही उनके परिश्रम की उर्जा का स्त्रोत है।

राज्यपाल ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बाधाओं चुनौतियों को पार कर कुछ कर गुजरने का जज्बा है। उन्होंने पचमढ़ी राजभवन के कर्मचारी की पत्नी श्रीमती शीला कुमारी कुम्हरे द्वारा अशिक्षित होते हुए पचमढ़ी के पर्यटकों को टेलीस्कोप से अंतरिक्ष से रू-ब-रू कराने को सशक्तिकरण का वास्तविक स्वरूप बताया। राज्यपाल के समक्ष कार्यक्रम में राजभवन से जुड़ी महिलाओं ने अपने संघर्षों, सफलताओं और राज्यपाल श्री पटेल के द्वारा महिला सशक्तिकरण प्रयासों के संबंध में जानकारी दी।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय महापरिषद की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं साथ ही विश्वविद्यालय, मीडिया के क्षेत्र में एडवांस्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के रूप में अपनी पहचान बनाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के संप्रेषण और उनकी प्रभावशीलता के सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियां भी विश्वविद्यालय में आरंभ करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में विश्वविद्यालय की महापरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी, विश्वविद्यालय के कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित महापरिषद के सदस्यगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के रीवा और खंडवा परिसरों में रोजगार परक पाठ्यक्रम संचालित करने संबंधी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति के बाद एम.ए. (जर्नलिज्म एंड क्रिएटिव एंड राइटिंग), एम.ए. (मास कम्युनिकेशन), एम.ए.(एडवरटाइजिंग एंड पब्लिक रिलेशंस), एम.एससी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और एम.एसी.ए. के एक वर्षीय पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाएंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के पी.एचडी. अधिनियम को यू.जी.सी. पीएचडी अधिनियम 2022 के अनुसार अद्यतन कर इस आधार पर पी. एचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा परिसर के सभागार का नाम लाल बलदेव सिंह सभागार रखने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। महापरिषद ने वित्त विभाग के 14 अगस्त 2023 के आदेश अनुसार चतुर्थ समयमान उच्चतर वेतन मान को विश्वविद्यालय में लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया। विश्वविद्यालय में फेस डिटेक्शन मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था पर भी सहमति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग विषय का व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के लिए प्रिंटिंग प्रेस व लैब तथा पैकेजिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में अन्य कार्यालयीन तथा प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए।

वैश्विक संवाद और आतिथ्य का अभूतपूर्व अवसर वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028: राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का भोपाल में आयोजन, भारत के लिए ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण है। यह आयोजन विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती साख का प्रतिफल है। भारत को विश्वगुरू के रूप में स्थापित करने की ओर बढ़ा कदम है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 21वें वर्ल्ड रोज कन्वेंशन- 2028 संबंधी बैठक को संबोधित कर रहे थें। इस अवसर पर उन्होंने मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के मुख्य संरक्षक के रूप में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को 2028 के आयोजन की मेजबानी के लिए मई 2025 में सौंपे गए ध्वज को ग्रहण किया। कन्वेंशन का आयोजन भोपाल में वर्ष 2028 में 7 से 13 जनवरी तक होगा। बैठक का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में इण्डियन रोज फेडरेशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश रोज सोसायटी द्वारा किया गया था।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के ध्वज को ग्रहण करना देश और प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का पल है। यह ध्वज 2028 के ऐतिहासिक आयोजन के गौरवपूर्ण कार्यक्रम की जिम्मेदारी, वैश्विक संवाद और आतिथ्य के अभूतपूर्व अवसर का प्रतीक है। राज्यपाल श्री पटेल ने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी द्वारा भारत को पहली बार आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार ज्ञापित किया। उन्होंने वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के पहले भारतीय अध्यक्ष बनने पर श्री सुशील प्रकाश को सम्मानित किया। इण्डियन रोज फेडरेशन और मध्यप्रदेश रोज सोसायटी को आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि वर्ल्ड रोज कन्वेंशन 2028 का मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजन, प्रदेश को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाएगा। आयोजन की मेजबानी सम्पूर्ण मध्यप्रदेश और भोपाल शहर के लिए हर्ष और गर्व का विषय है। आयोजन के लिए रोज सोसायटी द्वारा भोपाल को रोज सिटी के रुप में विकसित करने की जानकारी पर राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के वर्तमान उत्पादन को दोगुना करने की पहल करने के लिए कहा है।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुलाब धार्मिकता और पर्वित्रता का प्रतीक है। यह आत्मीयता और सहृदयता की पहचान है। उन्होंने कहा कि हम सभी आयोजन से जुड़े प्रत्येक कार्य और जिम्मेदारियों को भव्यता और दिव्यता के साथ सम्पन्न करने का संकल्प ले ताकि यह आयोजन दुनियां भर के प्रतिनिधियों के मन में प्रेरणादायी और यादगार अनुभव के रूप में अंकित हो। राज्यपाल श्री पटेल ने मध्यप्रदेश और भोपाल के गुलाब प्रेमियों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील भी की।

निषादराज समाज के गौरव और संस्कृति को मिलेगा मंच: राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पंवार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में 12 जुलाई को राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में 12 जुलाई को उज्जैन में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन का आयोजन होगा। कार्यक्रम की तैयारियों की मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण राज्य मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार ने समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन निषादराज समाज के गौरव और संस्कृति को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है, ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी व्यवस्थाएं उत्कृष्ट हों। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करने और बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे भूमिपूजन और लोकार्पणमुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 22.65 करोड़ रूपये की लागत के 453 स्मार्ट फिश पार्लर, 40 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे अत्याधुनिक अंडर वॉटर टनल सहित एक्वापार्क और 91.80 करोड़ रूपये की लागत से इंदिरा सागर जलाशय में 3060 केजेस के माध्यम से मत्स्य उत्पादन से वृद्धि एवं रोजगार सृजन का वर्चुअली भूमि-पूजन करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 430 मोटर साइकिल विद आइस बॉक्स के स्वीकृति पत्र एवं 100 यूनिट्स का वितरण, 396 केज के स्वीकृति पत्र का प्रदाय, फीडमील के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र का प्रदाय एवं उत्कृष्ट कार्य कर रहे मछुआरों एवं मत्स्य सहकारी समितियों को पुरस्कार वितरण करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मत्स्य महासंघ के मछुआरों को 9.63 करोड़ रूपये के डेफर्ड वेजेस का सिंगल क्लिक से अंतरण करने के साथ ही रॉयल्टी चेक प्रदाय करेंगे।

एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी वत्सला की मृत्यु

भोपाल। पन्ना टाईगर रिजर्व के परिक्षेत्र हिनौता के अंतर्गत सबसे बुजुर्ग हथनी लगभग 100 वर्ष से अधिक आयु की वत्सला की 8 जुलाई मंगलवार को मृत्यु हो गई। वत्सला को एशिया की सबसे बुजुर्ग हथनी माना जाता है। पन्ना टाईगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वत्सला का अंतिम संस्कार किया गया। वत्सला हथनी पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र रही है। सबसे बुजुर्ग होने से वह पूरे हाथियों के दल का नेतृत्व करती रही है। अन्य मादा हाथी के प्रसव एवं बच्चा होने के उपरांत वह एक नानी अथवा दादी के रूप में अपनी भूमिका निभाती थी।

क्षेत्र संचालक पन्ना टाईगर रिजर्व ने बताया कि मादा वत्सला परिक्षेत्र हिनौता के खैरईयां नाले के पास आगे के पैर के नाखून टूट जाने के कारण बैठ गई थी। वनकर्मियों द्वारा उसको उठाने का काफी प्रयास किया गया। दोपहर को हथनी वत्सला की मृत्यु हो गई।

हथनी वत्सला केरल से नर्मदापुरम लाई गई थी और बाद में उसे पन्ना टाईगर रिजर्व लाया गया था। वृद्ध होने के कारण वत्सला को आँखो से दिखना बंद हो गया था तथा वह अधिक दूरी तक नहीं चल पाती थी इसलिये गश्ती कार्य में इसका उपयोग नहीं लिया जाता था। इसे हिनौता हाथी केम्प में रखा गया था। प्रतिदिन खैरईयां नाले तक नहाने के लिये ले जाया जाता था और भोजन में दलिया दिया जा रहा था।

पन्ना टाईगर रिजर्व प्रबंधन के वन्य प्राणी चिकित्सक एवं विशेषज्ञों के द्वारा समय-समय पर हथनी वत्सला के स्वास्थ्य का परीक्षण किया जा रहा था। इसलिए वत्सला पन्ना टाईगर रिजर्व के विरल एवं शुष्क वन क्षेत्र में दीर्घ आयु की अवस्था तक जीवित रही। टाईगर रिजर्व में बाघ पुनर्स्थपना योजना में वत्सला का अहम योगदान रहा।

शारदा सोलंकी ने शहर की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य अधिकारी को लगाई फटकार

प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से महापौर निकलेंगी शहर भ्रमण पर, देखेंगी सफाई व्यवस्था

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। नगर निगम महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी प्रतिदिन साफ-सफाई एवं स्वच्छता की निगरानी करने हेतु प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से शहर के भ्रमण पर रहेंगी। भ्रमण के दौरान नगर निगम के स्वास्थ्य शाखा के नोडल अधिकारी सहित स्वास्थ्य अधिकारी भी शहर भ्रमण करेंगे। महापौर को प्रतिदिन शहर के नागरिकों द्वारा अधिकतर शिकायत शहर में गंदगी एवं नाले-नालियों के चौक होने की प्राप्त हो रहीं थीं। उक्त को संज्ञान में लेते हुए महापौर अब प्रतिदिन प्रातः 7:00 बजे से ही शहर की सड़कों पर उतरकर स्वयं सफाई का जायजा लेंगी एवं जहां भी कचरे के ढेर एवं गंदगी पाई गई तो संबंधित दरोगा एवं सफाईकर्मी सहित स्वास्थ्य अधिकारी पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को इसी क्रम में नगर निगम महापौर द्वारा वार्ड क्र. 16 एवं 23 का भर्मण किया। महापौर द्वारा ट्रेंच रोड गोपीनाथ की पुलिया और सदर बाजार का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान वार्ड पार्षद युवराज दंडोतिया, ममता-राकेश गर्ग, गोविंद उपाध्याय भी मौके पर मौजूद रहे। भ्रमण के दौरान महापौर शारदा सोलंकी ने स्वास्थ्य अधिकारी अंकित द्विवेदी को निर्देशित करते हुए कहा कि वह शहर की साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखें। कचरे के ढेर जहां भी लग रहे उन्हें तुरंत साफ करें। बरसात के मौसम को देखते हुए नाले-नालियों की भी सफाई प्रतिदिन करवाना सुनिश्चित करें। अन्यथा की स्थिति में कहीं पर भी गंदगी या कचरे के ढेर लगे मिले तो संबंधित सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भ्रमण के दौरान महापौर ने कहा कि अब वह प्रतिदिन सुबह 7:00 बजे से ही शहर की सड़कों पर भ्रमण करेंगी और जहां भी गंदगी पाई गई उस एरिया के जिम्मेदार सेनेटरी इंस्पेक्टर एवं स्वास्थ्य अधिकारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भ्रमण के दौरान डिप्टी कमिश्नर लाल सिंह डोडिया, स्वास्थ्य अधिकारी अंकित द्विवेदी, केशव सिंह, ऋषिकेश शर्मा सहित नगर निगम के कर्मचारी व अधिकारी भी मौजूद रहे।

खेत तालाबों और अमृत सरोवर से पांच हजार एकड भूमि होगी सिंचित

2500 से अधिक खेत तालाबों का हुआ निर्माण और 1600 से अधिक कूप रिचार्ज

भोपाल। रायसेन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में 2500 से अधिक खेत तालाब एवं 23 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य कराया गया है। इनके निर्माण से 5000 एकड से अधिक भूमि सिंचित होगी। कूप रिचार्ज पिट 1600 से अधिक निर्माण कराए गए हैं जिससे कूपों में जल भराव से किसान दोनों फसलों में सिचाई कर सकेंगे। इन कार्यो को नवीन तकनीक सीपरी ऐप के माध्यम से चिन्हांकित किया गया। अभियान के दौरान बेतवा के उदग्म स्थल को पुर्नजीवित कर अविरल धारा प्रवाहित करने के प्रयास किये गये। पोर्टल पर 15000 से अधिक जलदूतों का पंजीयन कराकर प्रशिक्षण कराया गया। विभिन्न ग्राम पंचायतों में साफ सफाई एवं जल संरक्षण के कार्य भी कराये गये। जिले को प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया कि रायसेन जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा योजना से जल संरक्षण के कार्य कराये गये। मनरेगा के तहत 1000 से अधिक जल संग्रहण के कार्यो को भी पूर्ण कराया गया है। अभियान के दौरान जिले के झिरी ग्राम में स्थित बेतवा नदी के उद्गम स्थल को पुर्नजीवित किया गया, जो रायसेन में हुए महत्वपूर्ण कार्यो में से एक है। जिले में स्थित अन्य नदियों के उद्गम स्थलों को संरक्षित करने के कार्य भी कराये गये।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायसेन जिले की सभी 7 जनपद पंचायतों में कुल 2500 से अधिक खेत तालाबों का निर्माण कराया गया है जिससे एक ओर जहां बारिश का जल संग्रहित हो सकेगा, वहीं किसानों को भी सिंचाई के लिए जल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त 1687 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है। जिले की बाड़ी जनपद पंचायत में 329 खेत तालाब, बेगमगंज जनपद पंचायत में 509 खेत तालाब, गैरतगंज जनपद पंचायत में 354 खेत तालाब, औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में 213 खेत तालाब, सांची जनपद पंचायत में 366 खेत तालाब, सिलवानी जनपद पंचायत में 490 खेत तालाब और उदयपुरा जनपद पंचायत में 302 खेत तालाबों के निर्माण कार्य स्वीकृत कराये गये। बाड़ी जनपद पंचायत में 183 कूप रिचार्ज पिट, बेगमगंज जनपद पंचायत में 340, गैरतगंज जनपद पंचायत में 207, औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में 158, सांची जनपद पंचायत में 161, सिलवानी जनपद पंचायत में 144 और उदयपुरा जनपद पंचायत में 194 कूप रीचार्ज पिट का निर्माण कराया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े कार्यो में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, संगठनों और नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित कराई गई। अभियान के तहत नागरिकों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करने के लिये पानी चौपाल सहित अनेक गतिविधियां भी आयोजित कराई गई।

बांझपन निःशुल्क चेकअप शिविर मुरैना में कल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। निःसंतान महिलाओं के लिए अग्रवाल फर्टिलिटी टेस्ट ट्यूब बेबी केंद्र आगरा ने मुरैना में 10 जुलाई गुरूवार को इंदु अग्रवाल नर्सिंग होम पर निःशुल्क चेकअप कैंप का आयोजन किया है, जिसमें बांझपन से ग्रसित महिलाओं का परीक्षण किया जाएगा। उक्त शिविर में अग्रवाल फर्टिलिटी एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर, आगरा की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. श्रद्धा अग्रवाल महिलाओं का फ्री परीक्षण करेंगी। ऐसी महिलाओं को मां बनने के लिए उचित सलाह दी जाएगी। इंदु अग्रवाल नर्सिंग होम ने इस कैंप के लिए महिलाओं से रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है। महिलाएं अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट साथ लाएं।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।